संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 140
पृष्ठ 8
रविवार
08 फरवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पीठ, गर्दन और आंखों...
विचार- यूरोप के साथ मुक्त व्यापार आसान...
खेल- श्रीलंका की दखल के बाद सरकार...

भारत-अमेरिका डील पर बोले मुख्यमंत्री योगी

यह आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम

लखनऊ, संवाददाता। भारत–अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिए जाने के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि यह आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक कदम है। सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह अंतरिम व्यापार ढांचा मेक इन इंडिया को निर्णायक बढ़ावा देता है। यह भारतीय उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार तक पहुंच का विस्तार करता है और साथ ही किसानों, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण आजीविका की रक्षा करता है। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा, उन्होंने एक संतुलित,

पारस्परिक और भारत–प्रथम समझौते को सुरक्षित करने में अपने निर्णायक और गतिशील नेतृत्व का प्रदर्शन किया, जो एमएसएमई को सशक्त बनाता है, निर्यात को बढ़ावा देता है, आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करता है और युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करता है। उन्होंने यह भी कहा कि बढ़ता भारत–अमेरिका सहयोग मेड इन इंडिया में बढ़ते वैश्विक विश्वास को दर्शाता है और वैश्विक विकास के एक प्रमुख चालक के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करता है। इससे पहले, राष्ट्रीय लोकदल के नेता और केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने भी भारत–अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने किसान, कामगार, कारीगर, कुटीर उद्योग और युवाओं के लिए ही दूसरे देश और समूह के साथ व्यापार नीति और करार में परिवर्तन के लिए प्रयास किया है। उन्होंने स्वयं इस बात को दो टूक कहा था और कई बार दोहराया भी। उन्होंने कहा, देश का किसान भी जानता है कि बेहतर दाम, उत्पाद और आर्थिक तरक्की के लिए विज्ञान, विधि और व्यापार से ही उनकी मेहनत रंग लाएगी।

बस्तर पंडुम 2026! राष्ट्रपति मुर्मू बोलीं– छत्तीसगढ़ आना घर जैसा लगता है

जगदलपुर (एजेंसी)। लालबाग मैदान में आयोजित बस्तर पंडुम 2026 का शुभारंभ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया. आदिवासी बहुल बस्तर में राष्ट्रपति की मौजूदगी ने इस आयोजन को केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मगौरव और पहचान का उत्सव बना दिया. अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि छत्तीसगढ़ आना उन्हें हमेशा घर जैसा लगता है. उन्होंने बस्तर की संस्कृति को प्राचीन और सबसे मीठी बताते हुए कहा कि यहां के लोग बस्तर पंडुम को केवल आयोजन नहीं, बल्कि उत्सव की तरह जीते हैं. राष्ट्रपति ने बस्तर की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और जनजातीय जीवनशैली को देश के लिए अमूल्य धरोहर बताया.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बस्तर में दशकों तक चले नक्सलवाद का जिक्र करते हुए कहा कि हिंसा के कारण आदिवासी समाज को लंबे समय तक नुकसान उठाना पड़ा. लेकिन अब बस्तर नक्सल मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है. बड़ी संख्या में नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं और विकास का रास्ता खुल रहा है. उन्होंने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने वालों का स्वागत किया और लोगों से भटकाने वाली बातों से दूर रहने की अपील की. राष्ट्रपति का यह संदेश बस्तर के सामाजिक बदलाव और लोकतांत्रिक भरोसे का मजबूत संकेत माना जा रहा है. राष्ट्रपति ने कहा कि छत्तीसगढ़ वीरों की धरती है, जहां के लोगों ने देश की रक्षा में बलिदान दिए हैं. उन्होंने बस्तर पंडुम को आयोजन नहीं, बल्कि उत्सव बताया. राष्ट्रपति ने कहा कि बस्तर की संस्कृति और सुंदरता पर्यटकों को आकर्षित करती है और यहां की प्राकृतिक संपदा अनमोल है. उन्होंने कहा कि गांव–गांव स्कूल, सड़क, बिजली और पानी की सुविधाएं पहुंच रही हैं. यह बदलाव शांति और विकास का प्रमाण है.

India-US समझौते पर कृषि मंत्री शिवराज सिंह का आश्वासन, कहा- किसानों के हितों से कोई समझौता नही

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को आश्वासन दिया कि सरकार ने अमेरिका–भारत व्यापार समझौते के अंतरिम ढांचे में किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए सभी प्रमुख फसलों और दुग्ध उत्पादों की रक्षा की है। शिवराज सिंह चौहान ने इस बात पर भी जोर दिया कि इस समझौते से भारतीय निर्यात के लिए अमेरिकी बाजार खुलेंगे और

उन्होंने कहा कि हमारे बासमती चावल अमेरिका में धूम मचा देंगे। कृषि मंत्री ने पत्रकारों से कहा कि इससे बहुत लाभ होगा। यह भारत के किसानों और जनता के हित में है। हमने सभी प्रमुख फसलों और दुग्ध उत्पादों की रक्षा की है। दूसरी ओर, किसानों को निर्यात के लिए बाजार मिलेंगे। हमारे बासमती चावल अमेरिका में धूम मचा देंगे। हमारे मसाले वहां जाएंगे। यह किसानों के हित में है। शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में किसानों से बातचीत के दौरान ये टिप्पणियां कीं। भारत और अमेरिका ने पारस्परिक और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार से संबंधित एक अंतरिम समझौते के लिए एक रूपरेखा की घोषणा की। संयुक्त बयान में कहा गया है कि यह रूपरेखा 13 फरवरी, 2025 को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) वार्ता के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है, जिसमें अतिरिक्त बाजार पहुंच प्रतिबद्धताएं और अधिक लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए समर्थन शामिल होगा। बयान के अनुसार, भारत सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क समाप्त या कम करेगा, जिसमें सूखे अनाज (डीडीजी), पशु आहार के लिए लाल ज्वार, मेवे, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब और स्पिरिट और अन्य उत्पाद शामिल हैं। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी किसानों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि घरेलू किसानों के हितों की रक्षा के लिए भारत–अमेरिका व्यापार समझौते में दुग्ध उत्पादों, फलों, सब्जियों, मसालों और अन्य अनाजों को संरक्षित किया गया है।

बिहार के हर गांव में बनेगी दुग्ध उत्पादन समिति, पशुपालकों को मिलेगा उचित मूल्य : नीतीश कुमार

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को कहा कि 'सात निश्चय–3' के तीसरे निश्चय 'कृषि में प्रगति–प्रदेश में समृद्धि' के तहत डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए राज्य के प्रत्येक गांव में दुग्ध उत्पादन समिति के गठन का निर्णय लिया गया है, ताकि पशुपालकों को दूध का उचित मूल्य मिल सके। मुख्यमंत्री ने

कहा कि राज्य के कुल 39,073 गांवों में से 25,593 गांवों में दुग्ध उत्पादन समितियों का गठन किया जा चुका है। शेष सभी गांवों में अगले दो वर्षों के भीतर समितियों का गठन करने का निर्देश पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग को दिया गया है। इससे पशुपालकों की आमदनी बढ़ेगी और राज्य में दूध की उपलब्धता में भी वृद्धि होगी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 'सात निश्चय–2' के तहत राज्य के सभी प्रखंडों में सुधा दुग्ध बिक्री केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। अब 'सात निश्चय–3' के अंतर्गत राज्य की सभी पंचायतों में भी सुधा दुग्ध बिक्री केंद्र खोलने का निर्णय लिया गया है।

मलेशिया पहुंचे मोदी को रिसीव करने खुद पहुंचे पीएम इब्राहिम

ये उनका भारतीयों के लिए प्रेम, यहां जल्द यूपीआई लॉन्च करेंगे : प्रधानमंत्री

कुआलालंपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को 8 साल बाद दो दिन के मलेशिया दौरे पर पहुंचे। उन्हें मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम ने एयरपोर्ट पर अपनी कार से रिसीव किया। इसके बाद पीएम मोदी कुआलालंपुर में भारतीय समुदाय को संबोधित किया।

इस दौरान पीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम खुद एयरपोर्ट पर मेरा स्वागत करने आए। वे मुझे अपनी कार से यहां लाए। इतना ही नहीं, उन्होंने मुझे अपनी सीट पर भी बैठाया। उन्होंने कहा, यह खास सम्मान भारत और भारतीय समुदाय के प्रति उनके प्यार और सम्मान को दिखाता है। भारत जल्द यहां अपना पमेंट सिस्टम न्च्‌ लॉन्च करेगा।

मोदी ने कहा– पिछले साल मैं आसियान शिखर सम्मेलन के लिए मलेशिया नहीं आ सका था, लेकिन मैंने अपने दोस्त से वादा किया था कि मैं जल्द मलेशिया आऊंगा। आज मैं अपना वादा निभाने आया हूं। साल 2026 में यह मेरी पहली विदेश यात्रा है।

पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय के लोगों से कहा कि आपने रोटी चनाई को मलाबार परोट्टा से जोड़ा है। नारियल, मसाले और चाय

भी हमारे रिश्ते को जोड़ते हैं। चाहे कुआलालंपुर हो या कोच्चि, स्वाद एक जैसे लगते हैं। हम एक–दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं, शायद इसलिए क्योंकि हमारी भाषाओं और मलय भाषा में कई शब्द समान हैं।

मोदी ने कहा– मैंने सुना है कि मलेशिया में भारतीय संगीत और फिल्में काफी लोकप्रिय हैं। प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम बहुत अच्छा गाते हैं, लेकिन भारत में बहुत से लोगों को यह बात पहले नहीं पता थी। उनके पिछले भारत दौरे के दौरान जब उन्होंने एक पुराना हिंदी गीत गाया, तो उसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए।

भारतीय पीएम ने कहा कि यह जानकर खुशी होती है कि प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम को महान अभिनेता और नेता एमजीआर के तमिल गीत बहुत पसंद हैं।

मोदी ने कहा कि दुनिया भारत को सिर्फ एक बड़ा बाजार मानती थी, लेकिन अब भारत निवेश और व्यापार का एक बड़ा केंद्र बन चुका है। आज भारत को विकास के लिए एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देखा जाता है। चाहे ब्रिटेन हो, न।म, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ओमान, यूरोपीय संघ (म्न) या अमेरिका, कई देशों ने भारत के साथ व्यापार समझौते किए हैं।

भारत आपके दिलों में एक खास जगह रखता है। 2001 में गुजरात में भूकंप आया था। उस समय आप सभी (भारतीय समुदाय) ने मिलकर भारत की मदद की थी। इसके लिए सभी को धन्यवाद।

भारत को आजाद कराने के लिए आपके पूर्वजों ने बड़े बलिदान दिए थे। उनमें से कई के भारत में रिश्तेदार और पड़ोसी थे, फिर भी वे सबसे पहले नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज में शामिल होने वालों में थे।

व्यापार समझौते में 'नमस्ते ट्रंप, हाउडी मोदी' पर पड़ गया भारी : कांग्रेस

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा है कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते का जो संयुक्त विवरण सामने आया है उससे साफ हो गया है कि अमेरिका इस समझौते में भारी पड़ गया है और इसका खामियाजा भारत के किसानों, व्यापारियों और आम लोगों को भुगतना पड़ेगा। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश शनिवार को सोशल मीडिया 'एक्स' एक पर एक पोस्ट में कहा ष्अभी जारी किए गए अमेरिका–भारत

संयुक्त बयान में डिटेल्स पर कुछ भी स्पष्ट नहीं कहा गया है। लेकिन जो बातें अब तक सामने आई हैं, उनसे यह साफ होता है कि इस समझौते में भारत के हितों को पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया है और इसका पूरा फायदा अमेरिका को ही होने वाला है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से यह भी स्पष्ट हो गया है कि भारत अब रूस से तेल आयात नहीं करेगा। अलग से, अमेरिका ने यह भी घोषणा की है कि यदि भारत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रूस से तेल खरीदता है, तो 25 प्रतिशत कर का दंड दोबारा लगाया जा सकता है। इसमें भारतीय किसानों की कीमत पर अमेरिकी किसानों की मदद के लिए भारत आयात शुल्कों में भारी कटौती करेगा। श्री रमेश ने कहा कि समझौते की बाद अमेरिका से भारत का वार्षिक आयात तीन गुना हो जाएगा, जिससे वस्तुओं के व्यापार में हमारा लंबे समय से चला आ रहा सरप्लस समाप्त हो जाएगा। अमेरिका को भारत के आईटी और अन्य सेवाओं के निर्यात को लेकर अनिश्चितता बनी रहेगी और भारत के वस्तु निर्यात को अमेरिका में पहले की तुलना में अधिक शुल्कों का भुगतान करना पड़ेगा। कांग्रेस नेता ने समझौते पर तंज करते हुए कहा ष्इतनी झप्पियों और फोटो–ऑप्स का कोई खास नतीजा नहीं निकला। नमस्ते ट्रंप, हाउडी मोदी पर भारी पड़ गया। दोस्त, दोस्त न रहा।

पटना में 'बेटी' को न्याय दिलाने की जंग! पप्पू यादव की गिरफ्तारी पर राहुल बोले- आवाज दबाई जा रही

पटना (एलेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि

पटना के एक हॉस्टल में छम्म्ज की तैयारी कर रही एक छात्रा की मौत के मामले में न्याय की मांग करने के कारण पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को गिरफ्तार किया गया है। ग पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि पप्पू यादव की गिरफ्तारी राजनीतिक प्रतिशोध है, जिसका उद्देश्य इस मामले से जुड़ी आवाजों को दबाना है। उन्होंने कहा कि इस बेटी के लिए न्याय की आवाज बनकर खड़े रहे मेरे साथी सांसद पप्पू यादव जी। उनकी आज की गिरफ्तारी स्पष्ट रूप से राजनीतिक प्रतिशोध है, जिसका उद्देश्य जवाबदेही की मांग करने वाली हर आवाज को डराना और चुप कराना है। पप्पू यादव को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया, क्योंकि वे 1995 के एक कथित भूमि विवाद मामले में पेश नहीं हुए थे। पूर्णिया सांसद ने अपनी सुरक्षा को लेकर आशंका जताई थी। उन्होंने कहा कि मुझे शक है कि इन्हीं लोगों ने मेरी हत्या की होगी। मैं सीधे अदालत जाऊंगा। मैं पुलिस स्टेशन नहीं जाऊंगा। अगर वे चाहें तो मुझे नजरबंद कर सकते हैं। कांग्रेस नेता ने भाजपा–एनडीए गठबंधन पर अपराधियों को बचाने के लिए मामले को पटरी से उतारने और परिवार को परेशान करने का आरोप लगाया।

भारत बंद!! ऐप–आधारित ड्राइवरों और डिलीवरी पार्टनर्स की देशव्यापी हड़ताल, 'मिनिमम फेयर' की मांग

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत भर में ऐप–आधारित परिवहन और डिलीवरी सेवाओं से जुड़े लाखों कर्मचारियों ने 7 फरवरी को 'अखिल भारतीय ब्रेकडाउन' (All-India Breakdown) का आह्वान किया। गिग वर्कर्स और डिलीवरी पार्टनर्स के यूनियनों द्वारा बुलाई गई इस हड़ताल के कारण ओला (Ola), उबर (Uber), रैपिडो (Rapido) और पोर्टर (Porter) जैसी प्रमुख सेवाओं पर व्यापक असर देखने को मिला। विरोध का मुख्य कारण : 'गिरती आय और शोषण'

यह विरोध प्रदर्शन मुख्य रूप से तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन (TGPWU) और इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप–बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (IFAT) के नेतृत्व में किया गया। यूनियनों का आरोप है कि

प्लेटफॉर्म कंपनियां गिग वर्कर्स का शोषण कर रही हैं। विरोध के तीन प्रमुख बिंदु निम्नलिखित हैं:– गिरती आय : ड्राइवरों का कहना है कि उनकी कमाई लगातार कम हो रही है, जबकि काम के घंटे बढ़ रहे हैं।

बढ़ती परिचालन लागत : ईंधन की कीमतों और वाहनों के रखरखाव के बढ़ते खर्च ने उनकी बचत को खत्म कर दिया है।

मनमाना किराया : कंपनियां बिना किसी नियम के एकतरफा किराया तय करती हैं, जिससे ड्राइवरों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। यूनियनों ने कहा कि यह आंदोलन केंद्र और राज्य सरकारों पर मोटर वाहन एग्रीगेटर दिशानिर्देश, 2025 के तहत न्यूनतम बेस किराए को लागू करने का दबाव बनाने के लिए था। यूनियनों के अनुसार, बेस किराए को नोटिफाई न करने के कारण एग्रीगेटर कंपनियों को मनमाने ढंग से कीमतें तय करने की छूट मिल गई है, जिससे वर्कर्स को कम कमाई के लिए ज़्यादा घंटे काम करना पड़ रहा है और बिना किसी सुरक्षा के ऑपरेशनल जोखिम उठाने पड़ रहे हैं। TGPWU के संस्थापक अध्यक्ष और IFAT के सह–संस्थापक और राष्ट्रीय महासचिव शेख सलाउद्दीन ने कहा कि सरकारी कार्रवाई की कमी ने गिग वर्कर्स के लिए काम करने की स्थिति को और खराब कर दिया है।

सलाउद्दीन ने कहा, "एग्रीगेटर गाइडलाइंस, 2025 में किराए तय करने से पहले मान्यता प्राप्त मजदूर यूनियनों से सलाह–मशविरा करना साफ तौर पर जरूरी है।

मऊआइमा में मिली युवती की लाश की हुई शिनाख्त, प्रतापगढ़ से लाकर फेंका गया था शव

प्रयागराज। मऊआइमा में शुक्रवार को ग्राम भवानीगढ़ गोवर्धनपुर में नहर पटरी पर मिली युवती की लाश की शिनाख्त हो गई है। प्रतापगढ़ में हत्या करने के बाद शव छिपाने के लिए यहां फेंका गया था। मऊआइमा में शुक्रवार को ग्राम भवानीगढ़ गोवर्धनपुर में नहर पटरी पर मिली युवती की लाश की शिनाख्त हो गई है। प्रतापगढ़ में हत्या करने के बाद शव छिपाने के लिए यहां फेंका गया था। भाई की शिकायत पर पुलिस ससुरालियों की गिरफ्तारी के लिए प्रतापगढ़ रवाना हो गई है।

मृतका के भाई सुनील कुमार मिश्रा ग्राम मैलहा बहरिया निवासी ने बताया कि उसकी बहन मुस्कान मिश्रा (22) की शादी तीन साल पहले प्रतापगढ़ में रानीगंज के ग्राम बरहदा निवासी धीरज कुमार मिश्रा के साथ हुई थी। अतिरिक्त दहेज न मिलने पर ससुरालियों ने बहन मुस्कान मिश्रा की हत्या कर शव मऊआइमा क्षेत्र में छिपाने के लिए नहर पटरी पर फेंक दिया था। थाने में दहेज हत्या की तहरीर दी गई है। मऊआइमा पुलिस आरोपियों की धरपकड़ के लिए रानीगंज रवाना हो गई है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के गांव भवानीगढ़ सभा हटिया और गोवर्धनपुर से बहरिया जाने वाले मार्ग के निकट शारदा सहायक नहर की पटरी पर शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने एक युवती का शव देखा था। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर एसीपी फूलपुर विवेक यादव, मऊआइमा थाना प्रभारी पंकज अवस्थी समेत अन्य पुलिसकर्मी पहुंचे थे। शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया गया, लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला कि युवती की हत्या कहीं और की गई और शव को यहां लाकर फेंक दिया गया। युवती गुलाबी रंग की टी शर्ट, नीले रंग की जींस और पैर में मोजे पहने थी। उसकी कलाई पर कलावा भी था। उसके गले और कमर के नीचे चोट के निशान मिले हैं।

अंतिम बार देखे जाने व शव मिलने के बीच लंबा अंतराल होने पर नहीं दी जा सकती सजा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि यदि आखिरी बार साथ देखे जाने और शव मिलने के समय के बीच बड़ा अंतराल है तो इस आधार पर सजा नहीं दी जा सकती। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने हत्या के मामले में अनूप सिंह और राम कुमार की दोषसिद्धि को रद्द कर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि यदि आखिरी बार साथ देखे जाने और शव मिलने के समय के बीच बड़ा अंतराल है तो इस आधार पर सजा नहीं दी जा सकती। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने हत्या के मामले में अनूप सिंह और राम

कुमार की दोषसिद्धि को रद्द कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की पीठ ने दिया है।

सहारनपुर निवासी अनूप सिंह और राम कुमार पर आरोप था कि उन्होंने सात फरवरी 1992 को चंद्रपाल उर्फ चंद्रप्रकाश का अपहरण किया था। नौकरी दिलाने के नाम पर लिए गए रुपये न लौटाने पर उसकी हत्या कर दी गई। मृतक का शव नौ फरवरी 1992 को फरीदाबाद के बल्लभगढ़ रेलवे स्टेशन के पास मिला था। ट्रायल कोर्ट ने 2005 में आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। आरोपियों ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद पाया कि मृतक को आखिरी बार सात फरवरी को शाम छह बजे देखा गया था, जबकि शव नौ फरवरी को दोपहर में मिला। कोर्ट ने कहा कि इस लंबे अंतराल के कारण किसी तीसरे पक्ष की संलिप्तता की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता। पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर के अनुसार मौत चलती ट्रेन से गिरने के कारण भी हो सकती थी, जो एक दुर्घटना की ओर इशारा करता है। इसके अलावा कोर्ट ने अन्य कई तथ्यों के आधार पर संदेह का लाभ देते हुए दोनों को बरी कर दिया।

भूमाफिया के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी, जिलाधिकारी ने नई सूची बनाने का दिया निर्देश

प्रयागराज। जिले में अवैध कब्जों और भूमाफिया के खिलाफ प्रशासन ने एक बार फिर कड़ा रुख अपना लिया है। शुक्रवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की जनसुनवाई में सदर, हंडिया, फूलपुर और कोरांव सहित विभिन्न तहसीलों से जमीनों पर कब्जे की कई शिकायतें आईं। जिले में अवैध कब्जों और भूमाफिया के खिलाफ प्रशासन ने एक बार फिर कड़ा रुख अपना लिया है। शुक्रवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की जनसुनवाई में सदर, हंडिया, फूलपुर और कोरांव सहित विभिन्न तहसीलों से जमीनों पर कब्जे की कई शिकायतें आईं। मामलों की गंभीरता को देखते हुए डीएम ने अफसरों को भूमाफिया की नई सूची तैयार कर कठोर कार्रवाई करने का अल्टीमेटम दिया है।

माघ मेले की व्यस्तता के बाद जब जिलाधिकारी ने दोबारा जनसुनवाई शुरू की तो बड़ी संख्या में पीड़ित अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। हंडिया से पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र के एक दबंग ने उनकी जमीन पर कब्जा कर लिया है और विरोध करने पर लगातार धमकियां दी जा रही हैं।

इसके अलावा कई अन्य तहसीलों से भूमाफिया द्वारा डरा–धमकाकर जमीन कब्जाने की शिकायतें आईं। जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद एडीएम सिटी सत्यम मिश्र और अन्य अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी शिकायतों की निष्पक्ष और त्वरित जांच की जाए। साथ ही नए सिरे से भूमाफिया की सूची अपडेट की जाए। जांच के बाद तत्काल अवैध कब्जे हटाकर दोषियों पर विधिक कार्रवाई हो। वहीं, दूसरी ओर प्रशासनिक गलियारों में इस बात की चर्चा है कि पिछले दिनों चिह्नित किए गए 12 भूमाफिया के बाद अब 10 नए नामों पर एंटी भूमाफिया टास्क फोर्स ने जांच शुरू कर दी है। एसडीएम सदर अभिषेक कुमार सिंह के अनुसार, तहसीलों से इन नामों की रिपोर्ट जिला स्तरीय समिति को भेजी जा रही है। जांच पूरी होते ही इन्हें आधिकारिक तौर पर भूमाफिया घोषित कर कार्रवाई की जाएगी।

नवाबगंज मामले में एफआईआर के निर्देश

जनसुनवाई के दौरान एक मार्मिक मामला भी सामने आया। नवाबगंज की एक महिला ने बताया कि उसका पति पंजाब से घर लौटते समय रहस्यमयी तरीके से लापता हो गया है। इसका संज्ञान लेते हुए डीएम ने नवाबगंज थाना पुलिस को तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर लापता युवक की तलाश शुरू करने के निर्देश दिए।

कभी किसी लड़की से दुर्व्यवहार नहीं करेगा, लिखा प्लेकार्ड लेकर विवि के गेट पर खड़े होने की सजा रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एकल पीठ के उस आदेश को रद्द कर दिया है जिसमें एक छात्र को विश्वविद्यालय के गेट पर 'कभी किसी लड़की से दुर्व्यवहार नहीं करेगा' लिखी तख्ती (प्लेकार्ड) लेकर खड़े होने को कहा गया था।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एकल पीठ के उस आदेश को रद्द कर दिया है जिसमें एक छात्र को विश्वविद्यालय के गेट पर 'कभी किसी लड़की से दुर्व्यवहार नहीं करेगा' लिखी तख्ती (प्लेकार्ड) लेकर खड़े होने को कहा गया था। कोर्ट ने कहा कि इस तरह के निर्देश न केवल अपमानजनक हैं, बल्कि छात्र के चरित्र पर स्थायी कलंक भी लगा सकते हैं। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली व न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ ने दिया है। नोएडा इंटरनेशनल विश्वविद्यालय के मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी में स्नातक पांचवें सेमेस्टर के गौतमबुद्ध नगर निवासी छात्र को एक छात्रा से दुर्व्यवहार की वजह से विवि से निष्कासित कर दिया गया था। इसके खिलाफ दाखिल याचिका पर एकल पीठ ने 29 अक्तूबर 2025 को छात्र का

निष्कासन रद्द कर दिया। लेकिन, इसके साथ कुछ कड़ी शर्तें लगा दीं।

उक्त न्यायाधीश ने निर्देश दिया था कि छात्र 30 दिनों तक सुबह 8रू45 से 9रू15 बजे तक विश्वविद्यालय के गेट पर एक प्लेकार्ड लेकर खड़ा होगा, जिस पर लिखा होगा कि वह कभी किसी लड़की के साथ दुर्व्यवहार नहीं करेगा। इस पर छात्र ने एकल पीठ के इस आदेश के खिलाफ स्पेशल अपील दायर की थी।

एकल पीठ के आदेश को छात्र ने स्पेशल कोर्ट में दी थी चुनौती

खंडपीठ ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा कि इस तरह की सजा छात्र के कॅरिअर को हमेशा के लिए प्रभावित कर सकती है। यह बेहद अपमानजनक है। इस सजा से छात्र के चरित्र पर एक ऐसा घाव लगेगा जो कभी नहीं भरेगा। कोर्ट ने अन्य शर्तें बरकरार रखीं। छात्र को शेष कक्षाओं में उपस्थिति बनाए रखनी होगी और एक हलफनामा देना होगा। उसे अपने कृत्य के लिए 72 घंटे के भीतर लिखित माफीनामा भी देने को कहा गया है।

साथ ही गलगोटिया विश्वविद्यालय और संबंधित संस्थानों के गेट पर पुलिस की एंटी रोमियो मोबाइल स्क्वाड तैनात करने का निर्देश भी यथावत रखा गया है।

नाबालिग लड़की का किया अपहरण, फिर फर्जी आधार कार्ड से बालिग और विवाहित बताकर आईवीएफ सेंटर में निकलवाए अंडाणु

प्रयागराज। प्रयागराज से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां किशोरी को फर्जी आधार कार्ड से बालिग और विवाहित बताकर प्ट्थ सेंटर में अंडाणु निकलवा दिए। पुलिस ने मामला का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने आईवीएफ की पंजीकृत एजेंट कल्पना समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

प्रयागराज के फाफामऊ थाना इलाके की 15 वर्षीय किशोरी को आईवीएफ सेंटर ले जाकर अंडाणु निकलवाने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। किशोरी का फर्जी आधार कार्ड बनाकर उसे बालिग और विवाहिता बताया गया और फिर हलफनामा देकर सेंटर में गैरकानूनी ढंग से ओवा एक्सट्रैक्शन की प्रक्रिया कराई गई।

फाफामऊ पुलिस ने किशोरी की मां की तहरीर पर आईवीएफ की पंजीकृत एजेंट कल्पना समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि महिला ने शिकायत की थी कि उसकी बेटी का 15 जनवरी को अपहरण कर सिविल लाइंस के एक आईवीएफ सेंटर में ऑपरेशन करवाकर उसके अंडाणु निकाले गए।

शिकायत पर शुक्रवार को फाफामऊ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। पुलिस जांच में पता चला कि मां ने ही तीन फरवरी को अपनी बेटी को वन स्टॉप सेंटर में भर्ती कराया था।

किशोरी का बयान दर्ज हुआ तो उसने अपनी मां पर परेशान

करने और घर से बाहर निकालने का आरोप लगाया। कहा कि वह अपनी एक सहेली के साथ आईवीएफ सेंटर पर गई थी। इसके एवज में उसे 10 हजार रुपये मिले थे।

गहनता से जांच करने पर पता चला कि पीड़िता की करेली निवासी सहेली व उसकी मां रिंकी ने रुपये का लालच देकर उसे आईवीएफ डोनर बनने के लिए तैयार किया था। इसके बाद उसे सिविल लाइंस कोपर रोड निवासी सीमा भारतीया के पास ले जाया गया।

किशोरी का फर्जी आधार कार्ड बनवाकर उसे बालिग व विवाहिता दिखाया

सीमा ने अपने बेटे हिमांशु भारतीया से किशोरी का फर्जी आधार कार्ड बनवाकर उसे बालिग व विवाहिता दिखा दिया। इस पूरी प्रक्रिया के बाद सीमा फर्जी आधार कार्ड के साथ किशोरी को आईवीएफ सेंटर की पंजीकृत एजेंट शाहगंज निवासी कल्पना भारतीया के पास ले गई।

वहां फर्जी कंसल्ट एफिडेविट तैयार किया गया। इसके बाद 20 जनवरी को आईवीएफ सेंटर में फर्जी कागजात के आधार पर अंडाणु निकालने की प्रक्रिया की गई। पुलिस जांच में पता चला कि सीमा महिला एजेंट कल्पना भारतीया की रिश्ते में मौसी लगती है।

30 से 35 हजार रुपये तक कमीशन

पुलिस जांच में सामने आया कि एक ग्राहक के लिए तकरीबन 30 से 35 हजार रुपये तक का कमीशन दिया जाता है। कमीशन के चक्कर में ही गोरखधंधा चल रहा था। इसमें और भी लोगों की भूमिका सामने आ सकती है।

आईवीएफ सेंटर के अन्य एजेंट के अलावा और लोगों की भूमिका की भी पुलिस जांच कर रही है। डीसीपी ने बताया कि सभी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज कर उन्हें जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी।

भीड़ तो बस गिनती है, इन्हें पर्यटक भी बनाइए, ऐतिहासिक स्थलों तक कम ही पहुंच रहे लोग

प्रयागराज। प्रयागराज में लेटे हनुमानजी, मनकामेश्वर और द्वादश माधव के दर्शन करने आम दिनों में भी आसपास के जिलों तक के श्रद्धालु आते हैं। शृंगवेरपुर धाम भी रामभक्त श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है। लेकिन, धार्मिक स्थलों पर आने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ प्रयागराज के ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों तक कम ही पहुंच पा रही है। जबकि यहां आजादी की लड़ाई के केंद्र में रहीं ऐसी धरोहरें हैं जिन्हें देखकर नई पीढ़ी गर्व का अनुभव करेगी।

तीर्थराज प्रयाग फिर चर्चा में है। यहां 2025 के महाकुंभ का ज्वार उतरा नहीं था कि 2026 के माघ मेले में उमड़ी भीड़ ने नया कीर्तिमान रच दिया। जनवरी की भरी सर्दी में एक माह तक चले मेले के प्रमुख स्नान पर्वों पर जमकर श्रद्धालु उमड़े। फरवरी के पहले तीन दिन भी संगम स्नान करने वालों का तांता लगा रहा। माघी पूर्णिमा का स्नान पहली फरवरी को हुआ और इसी के बाद कल्पवासी संगम से लौट चुके हैं। प्रशासनिक दावों में श्रद्धालुओं की संख्या का आंकड़ा 21 करोड़ के पार हो गया है। अभी 15 फरवरी को महाशिवरात्रि का स्नान बाकी है। इस स्नान के लिए भी बड़ी संख्या

में लोगों के पहुंचने का अनुमान है।

इतने बड़े आयोजन और इतनी भीड़ ने प्रयागराज को देशभर में सुर्खियों में रखा। लेकिन, इस शहर के कारोबार जगत और पर्यटक स्थलों के लिए यह भीड़ सिर्फ गिनती के लिए है। सैलानी बढ़ने जैसी उपलब्धि हासिल करने से संगमनगरी अब भी दूर है। प्रयागराज के कारोबारी और होटल व्यवसायी इस भीड़ को पर्यटन उद्योग का हिस्सा मानने से हिचकते हैं।

जिस मौनी अमावस्या के दिन संगम नोज समेत अन्य घाटों पर 4.52 करोड़ श्रद्धालुओं के पवित्र डुबकी लगाने का दावा मेला प्रशासन की ओर से किया जा रहा था, उस दिन शहर के 40 फीसदी होटलों में आधी भरावट भी नहीं थी। सिविल लाइंस के आसपास के होटल और गेस्ट हाउस आठ–दस सैलानियों का मुंह ताक रहे थे। यही हाल शहर के बाजारों का रहा। चारों तरफ लगाए गए यात्रा प्रतिबंधों और उससे पैदा हुए जाम ने लगभग हर बड़ी बाजार से ग्राहकों को बाहर कर दिया।

सिविल लाइंस के व्यापारी नेता और बड़े कारोबारी सुशील खरबंदा का मानना है कि शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारा जाए और ऐतिहासिक स्थलों को जाम के जाल से निजात मिले तो प्रयागराज पुराना गौरव पा सकेगा। इससे प्रयागराज को धार्मिक नगरी के साथ पर्यटन नगरी भी बनाया जा सकेगा। फिर यहां का हर कारोबार चमकेगा और रोजगार के अवसर बढ़ सकेंगे। यह काम कठन नहीं है, बस राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति की जरूरत है।

कोर्ट ने कहा– 37 साल की लंबी सेवा के बाद कर्मचारी को पुरानी पेंशन से वंचित करना है अन्यायपूर्ण

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि दशकों तक विभाग में सेवा देने वाले कर्मचारी को पुरानी पेंशन योजना से इस आधार पर वंचित नहीं किया जा सकता कि उसका नियमितीकरण नई पेंशन योजना लागू होने के बाद हुआ है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि दशकों तक विभाग में सेवा देने वाले कर्मचारी को पुरानी पेंशन योजना से इस आधार पर वंचित नहीं किया जा सकता कि उसका नियमितीकरण नई पेंशन योजना लागू होने के बाद हुआ है। 37 साल की लंबी सेवा के बाद कर्मचारी को पेंशन से वंचित करना अन्यायपूर्ण है। यह आदेश मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ ने केंद्र सरकार और रेलवे की ओर से दाखिल उस याचिका को खारिज करते हुए दिया है, जिसमें रेलकर्मी मोहम्मद शमीम के पक्ष में पारित केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) के आदेश को चुनौती दी गई थी। मोहम्मद शमीम 10 नवंबर 1975 को उत्तरी रेलवे में कमीशन वेटर के रूप में तैनात हुए थे। 120 दिन की सेवा के बाद उन्हें अस्थायी कर्मचारी का दर्जा मिल गया। शमीम ने रेलवे में कुल 37 साल तक अपनी सेवाएं दीं और 31 अक्टूबर 2014 को सेवानिवृत्त हुए। हालांकि, उनकी सेवाओं को आधिकारिक रूप से 10 दिसंबर 2007 को नियमित किया गया था।

रेलवे की दलील

रेलवे के अधिवक्ता ने दलील दी कि चूंकि शमीम का नियमितीकरण 2007 में हुआ जब नई पेंशन योजना लागू हो चुकी थी। ऐसे में वह पुरानी पेंशन के हकदार नहीं हैं। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के मुंशी राम मामले का हवाला देते हुए रेलवे की दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया। कहा कि नियमितीकरण से पहले की गई 50 प्रतिशत अस्थायी सेवा को पेंशन के लिए अर्हक सेवा माना जाना चाहिए। लिहाजा, अस्थायी दर्जे से लेकर नियमितीकरण तक की सौ फीसदी सेवा को भी पेंशन गणना में शामिल किया जाए। कोर्ट ने कहा कि रेलवे के विभिन्न जोन के कर्मचारियों के साथ अलग–अलग मापदंड नहीं अपनाए जा सकते। जब अन्य जोन में कमीशन वेंडर्स को यह लाभ मिल रहा है तो याची को भी समानता के अधिकार के तहत लाभ मिलना चाहिए।

जनहित के मुखौटा लगाकर पेश नहीं किए जा सकते निजी मामले स्टांप ड्यूटी के खिलाफ याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि निजी लेनदेन और नफा–नुकसान से जुड़े मामले जनहित का मुखौटा पहनकर पेश नहीं किया जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि निजी लेनदेन और नफा–नुकसान से जुड़े मामले जनहित का मुखौटा पहनकर पेश नहीं किया जा सकता। इस टिप्पणी संग मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ ने कुशीनगर निवासी अभिनेंद्र प्रताप सिंह व तीन अन्य की जनहित याचिका खारिज कर दी। याचियों ने कप्तानगंज तहसील के मौजा बसहिया में जमीन की रजिस्ट्री के दौरान डिप्टी रजिस्ट्रार (स्टाम्प) की ओर से खरीदारों से वसूली जा रही दो प्रतिशत अतिरिक्त स्टांप ड्यूटी पर रोक लगाने की मांग की थी।

मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि याची वास्तव में खुद की संपत्तियों की रजिस्ट्री पर लगने वाले अतिरिक्त शुल्क से परेशान है। इसके लिए वह जनहित याचिका के जरिये राहत की गुहार नहीं लगा सकते, हालांकि उनके लिए स्टाम्प कमिश्नर या अन्य राजस्व न्यायालय की शरण में जाने के रास्ते खुले हैं।

222 अति संवेदनशील केंद्रों पर तैनात होगी एसटीएफ एवं एलआईयू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षा को नकल विहीन और शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षा को नकल विहीन और शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू करने का निर्णय लिया है। प्रदेश के 222 अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर विशेष निगरानी के लिए स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और लोकल इंटेलिजेंस यूनिट (एलआईयू) की तैनाती की जाएगी। वहीं, प्रत्येक जिले में स्थापित

कंट्रोल रूम पर प्रशासनिक अधिकारियों को तैनात किया जाएगा।

बोर्ड परीक्षा में इस वर्ष कुल 53,37,778 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इनमें हाईस्कूल के 27,61,696 और इंटरमीडिएट के 25,76,082 परीक्षार्थी हैं। परीक्षा संचालन के लिए प्रदेश भर में 8033 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। हाल ही में मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में हुई बैठक में परिषद द्वारा तैयार कार्ययोजना पर शासन ने मुहर लगा दी है। निर्देश दिए गए हैं कि सभी परीक्षा केंद्रों के स्ट्रांग रूम की अनिवार्य रूप से जांच की जाए तथा अति संवेदनशील केंद्रों का प्रतिदिन दो बार अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जाए। स्टैटिक मजिस्ट्रेट को सामान्य तौर पर बदला नहीं जाएगा, जबकि सीओ और एसओ नियमित पेट्रोलिंग करेंगे। परीक्षा केंद्रों के आसपास फोटो कॉपी की दुकानों पर रोक रहेगी और ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग प्रतिबंधित रहेगा। परिषद के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि सभी केंद्रों पर कड़ी निगरानी, नियमित निरीक्षण और तकनीकी नियंत्रण के माध्यम से परीक्षा को पूरी तरह नकल विहीन बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

मुंबई के लिए एक और स्पेशल ट्रेन, सूबेदारगंज से होगी रवाना

प्रयागराज। रेलवे प्रशासन ने मुंबई के लिए एक और स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। ट्रेन सूबेदारगंज स्टेशन से बांद्रा टर्मिनल तक चलेगी। सूबेदारगंज से गाड़ी (04125) की रवानगी हर प्रत्येक सोमवार दो से 30 मार्च तक सुबह 5.20 बजे होगी। रेलवे प्रशासन ने मुंबई के लिए एक और स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। ट्रेन सूबेदारगंज स्टेशन से बांद्रा टर्मिनल तक चलेगी। सूबेदारगंज से गाड़ी (04125) की रवानगी हर प्रत्येक सोमवार दो से 30 मार्च तक सुबह 5.20 बजे होगी। ट्रेन फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा, टूंडला, ईदगाह, फतेहपुर सीकरी, रूपबास, बयाना, गंगापुर सिटी, कोटा, रतलाम, वडोदरा, सूरत, वापी, बोरीवली रुकते हुए अगली सुबह 9.30 बजे बांद्रा टर्मिनल पहुंचेगी। बांद्रा टर्मिनल से वापसी में गाड़ी (04126) की रवानगी प्रत्येक मंगलवार तीन से 31 मार्च तक सुबह 11.15 बजे होगी।

जिला वॉलीबाल संघ प्रयागराज का चुनाव संपन्न

आर.पी.शुक्ला महासचिव, प्रभात राय अध्यक्ष तथा के.बी.एल श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष बने

प्रयागराज। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए), प्रयागराज की आम सभा की विशेष बैठक (चुनावी मीटिंग) स्थानीय मेजारोड स्थित दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज गौसौराकलां में पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जॉर्डन. एच.नाथ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें आगामी 4 वर्षों तक के लिए पदाधिकारियों का चुनाव सरकार की गाइडलाइन के अनुसार गुप्त मतदान द्वारा संपन्न हुआ। उपरोक्त चुनाव में कुल 81 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। अध्यक्ष पद के लिए कुल चार उम्मीदवार, महासचिव पद के लिए तीन उम्मीदवार तथा कोषाध्यक्ष के लिए दो उम्मीदवारों ने नामांकन कराया था। जिसमें प्रभात कुमार राय को अध्यक्ष, आर. पी.शुक्ला को महासचिव तथा के.बी.एल श्रीवास्तव को कोषाध्यक्ष के पद पर चुना गया। उक्त अवसर पर जिला प्रशासन प्रयागराज द्वारा नामित मुख्य चुनाव अधिकारी गुलशन शर्मा जिला युवा कल्याण अधिकारी, सहायक निर्वाचन अधिकारी टी.एन. सिंह, जिला ओलंपिक संघ के नामित पर्यवेक्षक नारायण जी गोपाल एवं उप जिलाधिकारी (प्रशासन) द्वारा नामित पर्यवेक्षक अजय कुमार तिवारी पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन मेजा और वरिष्ठ अधिवक्ता उच्च न्यायालय व जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष सुशील मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

वासन्तिक माहौल

घूँघट का तज लाज सुनो सखि बाहर आओ।
अर्पित फूल गुलाब करो मनभावन भायो।
केसर रंग गुलाल लिए सब द्वारे–द्वारे।
गुनगुन करते गीत लगे जो प्यारे प्यारे।
तितली भौरे फूल अरु कलरव की झंकार है।
सुखद सुहाने दृश्य की महिमा अपरम्पार है।।

कर सोलह श्रृंगार प्रकृति मदमाती आयी।
सुरभित कर संसार सभी के मन को भायी।
ऋतु का यह सौन्दर्य धरा को पुष्पित करके।
भरता है उत्साह विमल मस्ती का भरके।
प्राकृतिक उल्लास का वासंतिक माहौल है।
रंग शरारत कर रहे हुड़दंग भी बेखौफ है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भयहरण नाथ धाम में मेला व महोत्सव की कुशलता हेतु स्वामी सर्वेश गिरी महाराज ने किया विशेष पूजन

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में धाम के पुनरोद्धार संतो में श्रेष्ठ संत ब्रम्ह लीन स्वामी राम लोचन ब्रंहचारी जी महाराज के कृपा पात्र शिष्य स्वामी सर्वेश गिरी जी महाराज ने महाशिवरात्रि मेला व महाकाल महोत्सव के सकुशल सम्पन्नता की मंगल कामना की. महाराज जी ने सभी भक्तो को मिलकर भगवान व धाम की सेवा का सतत आवाहन करते हुए कहा की भयहरण नाथ धाम का निरंतर भौतिक विकास व विस्तार हो परंतु आपसी मानवीय सम्बन्धों व आत्मिक विकास को और प्रभावी बनाया जाना सर्वथा अपेक्षित है। धाम में प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय

विकास संस्थान के संरक्षक लालता प्रसाद मिश्र , पूर्व प्रधान प्रेम चंद मल्लू तथा मेला समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी बटुक अग्रहरी, संदीप महाजन सहित क्षेत्रीय नागरिको ने महाराज जी का भव्य स्वागत किया. मुख्य मन्दिर में पुजारी भोला नाथ तिवारी व सहायक पुजारियों ने पूजन अर्चन मे सहयोग किया. सर्वेश गिरी जी महाराज ने महासचिव समाज शेखर को दूरभाष पर आस्वस्त किया कि धाम के विकास व संचालन में निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया जाता रहेगा. उन्होंने कहा कि समाज के सभी पक्षों की सक्रिय भागीदारी से भयहरण नाथ धाम एकदिन अपने प्राचीन गौरव को पुनः प्राप्त करेगा. सर्वेश गिरी जी महाराज ने सभी से निस्वार्थ भूमिका निभाने की अपील की. मेला व मन्दिर समिति के पदाधिकारीयों तथा क्षेत्रीय नागरिकों ने महाराज जी सहित प्रयागराज आश्रम से आये सभी संतो का भव्य स्वागत किया।

बाल विवाह का करें बहिष्कार, बच्चों को दें उनके अधिकार

–बाल विवाह के नुकसान विषय पर प्रतियोगिता आयोजित, सफल प्रतिभागियों को स्माइल मग देकर किया गया उनका उत्साहवर्धन

मुजफ्फरनगर। आज जिलाधिकारी महोदय श्री उमेश मिश्रा एवम मुख्य विकास अधिकारी महोदय श्री कण्डारकर कमल किशोर देशभूषण के निर्देशन में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, ब्लॉक शाहपुर,जनपद मुज़फ्फर नगर में बाल विवाह की रोकथाम हेतु जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत डॉ राजीव कुमार सदस्य, बाल कल्याण समिति द्वारा बाल विवाह के नुकसान विषय पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे सफल प्रतिभागियों आकांक्षा, राधिका, कन्नू, शफीना, रिया, खुशी,राधिका, रिया, जिया, इशिका, संचिव रितिका को स्माइल मग देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। डॉ राजीव कुमार द्वारा बाल विवाह की रोकथाम हेतु बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी, पुलिस आपातकालीन

सेवा हेल्पलाइन नंबर 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या स्थानीय पुलिस को सूचना देने के लिए जागरूक किया गया एवं बताया गया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत बाल विवाह अपराध है जिसमें 02 वर्ष की सजा व 01 लाख रुपए का जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। भारत में शादी हेतु लड़के की आयु 21 वर्ष व लडकी की आयु 18 वर्ष है।

उक्त कार्यक्रम में विद्यालय वार्डन श्रीमती गीता, अध्यापक श्रीमती रीना, श्रीमती गीता,श्रीमती अनुपमा व छात्रा शालिनी का विशेष सहयोग रहा। बालिका शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान,संरक्षण व स्वावलंबन हेतु जिला बाल सरंक्षण अधिकारी संजय कुमार एवं बाल कल्याण समिति सदस्य डा राजीव कुमार द्वारा उक्त जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

संयुक्त वैश्य मोर्चा मुजफ्फरनगर द्वारा किया जोरदार प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

मुज़फ्फरनगर। संयुक्त वैश्य मोर्चा ने राष्ट्रपति को जिलाधिकारी के माध्यम से दिए ज्ञापन में समाज के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणिया करने वाले के विरुद्ध उचित कानूनी कार्यवाही किये जाने हेतु प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया ज्ञापन में कहा कि प्रसन्न कुमार नामक व्यक्ति जो जो फेसबुक आदि सोशल मीडिया के माध्यम से वैश्य समाज को अनर्गल बनिया,भस्मासुर, ईस्ट इंडिया कंपनी के आदमी,लाला,बोलकर अपमानजनक तरीके से संबोधित कर रहा है जिससे समस्त वैश्य समाज में रोष है,ऐसे व्यक्ति जो सोशल मीडिया का गलत प्रयोग करके वैश्य समाज को अनर्गल बोल रहा है और समाज मे वैमनस्यता फैला रहा है ऐसे व्यक्ति के ऊपर रोक लगाई जानी अति आवश्यक है उसकी लड़ाई उद्योगों से निकलने वाले कचरे आदि से हो सकती है परंतु उद्योगपतियों को या समस्त व्यापारिक वर्ग वैश्य समाज को ये बनिए,भस्मासुर,ईस्ट इंडिया कंपनी के आदमी,लाला,आदि जाति सूचक शब्द से संबोधित कर अपमानजनक तरीके से संबोधित कर रहा है जिसका संयुक्त वैश्य मोर्चा पुरजोर विरोध करता है और आपसे अनुरोध करता है कि उक्त प्रसन्न कुमार के खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्यवाही हो ओर उसकी फेस बुक आई डी, इंस्टा आदि सोशल प्लेटफॉर्म पर ब्लॉक किया जाये जिससे सोशल मीडिया के दुरुपयोग को रोका जा सके उक्त प्रसन्न कुमार

नामक व्यक्ति के खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्यवाही की मांग करता है,और हम आपके माध्यम से माननीय महामहिम राष्ट्रपति महोदय से अनुरोध करते है कि जिस प्रकार अन्य समाज के व्यक्तियों को जाति सूचक शब्द से पुकारने पर उनके एक्ट के अंतर्गत कानूनी कार्यवाही होती है इसी प्रकार यदि कोई वैश्य समाज को जाति सूचक जैसे शब्दों से संबोधित करता है तो उसके लिए भी एक एक्ट बनाया जाये आज वैश्य समाज के अंशुल सिंघल और दीपक जैन की बावन दरे पुल के पास फैक्ट्री है जिसमें कल कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा घुसकर गुंडागर्दी की गई और फैक्ट्री उखाड़ देने,देख लेने की धमकी आदि बाते की गई जिससे वैश्य समाज में रोष है संयुक्त वैश्य मोर्चा इसका पुरजोर विरोध करता है और शासन प्रशासन से अनुरोध करता है कि ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित कर कानूनी कार्यवाही करे जिससे उत्तर प्रदेश में व्यापारी को कानून के राज का एहसास हो सके और वो एक भयमुक्त वातावरण में व्यापार कर सके।

दूसरा हम सब ब्राह्मण समाज का बहुत सम्मान करते है ब्राह्मण समाज हमारे लिए पूजनीय है अभी हाल में ओ टी टी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर घूसखोर पंडित के टाइटल नाम से पिक्चर रिलीज़ की जिससे ब्राह्मण वर्ग के लिए अमर्यादित शब्द का प्रयोग किया गया है जो निंदनीय है हमारी मांग है तुरंत फिल्म पर रोक लगाई जाए और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए!

मुख्य रूप से प्रदर्शन में कृष्ण गोपाल मित्तल अध्यक्ष, शलभ गुप्ता एडवोकेट मुख्य संयोजक एवं सलाहकार, सुनील तायल मुख्य संयोजक,के नेतृत्व मै मुख्य रूप से राजेंद्र गर्ग,शिवम राजवंशी मीरापुर,राजीव गुप्ता मीरापुर,अमित गुप्ता,शिवकुमार सिंघल,अमन बंसल,राजेंद्र तायल,अरविंद गोयल,राकेश रस्तोगी,दीपक मित्तल सर्राफ,सौरभ गोयल,बंटी गुप्ता,विपिन गुप्ता,रामावतार गुप्ता,सुशील सिंघल,भूपेंद्र गोयल,रोबिन संगल,पंकज सिंघल,सर्वेश तायल,नरेश कुमार ,शुभम सिंघल,अंशुल सिंघल,दीपक जैन,अभिमन्यु मित्तल,राजीव गोयल,मनोज कंसल,सत्यप्रकाश गोयल,मुकेश गोयल,सुभाष चंद गुप्ता,मनोज गुप्ता,मनीष गुप्ता,अंकुर गोयल,आकाश अग्रवाल,पंकज सिंघल,सहित अनेकों वैश्य बंधु मौजूद रहे!

बसपा को कमजोर करने की साजिश लगातार चल रही : मायावती

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर लखनऊ में एक अहम बैठक की। उन्होंने कहा कि बसपा को कमजोर करने की साजिश लगातार चल रही है और धर्म व जाति के नाम पर राजनीति की जा रही है, जो देशहित में नहीं है। इस बैठक में जोनल प्रभारी से लेकर विधानसभा प्रभारी तक शामिल हुए। पार्टी के वरिष्ठ नेता सतीश चंद्र मिश्रा, उमाशंकर सिंह और आकाश आनंद भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक से पहले मायावती ने प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि जिला और विधानसभा स्तर के बड़ी संख्या में नेता इस बैठक में पहुंचे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि बसपा को कमजोर करने की साजिश लगातार चल रही है और धर्म व जाति के नाम पर राजनीति की जा रही है, जो देशहित में नहीं है। मायावती ने कहा कि लोगों को आपस में लड़ाने की राजनीति से जनता के वास्तविक मुद्दों को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सत्ता में बैठी पार्टियाँ जनहित के काम करने में पूरी तरह विफल रही हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में अब बहुत कम समय बचा है, ऐसे में पार्टी को पूरी मजबूती के साथ मैदान में उतरना होगा। बैठक में 2027 की चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई और संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया।

एबीवीपी-एनएसयूआई स्टूडेंट्स का बवाल, एलयू कैंपस में प्रॉक्टर को घेरा, पुलिस से धक्का-मुक्की

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार को छात्र सभा के दौरान माहौल उस वक्त तनावपूर्ण हो गया, जब दो छात्र संगठनों के कार्यकर्ता आमने–सामने आ गए। एक ओर एनएसयूआई के छात्र थे, तो दूसरी ओर एबीवीपी के कार्यकर्ता मौजूद थे। देखते ही देखते दोनों गुटों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई।

98वीं ज्ञान चैतन्य वार्षिक महासभा 9 फरवरी से

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ की 98वीं ज्ञान चौतन्य वार्षिक महासभा का आयोजन आगामी 9, 10 व 11 फरवरी से की जाएगी। शनिवार को पिठापुरम न्यू आश्रम परिसर में पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह की अध्यक्षता में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के संयोजक पेरुरी सुरीबाबू ने उक्त जानकारी दी। सम्मेलन में उपस्थित संवाददाताओं को संबोधित करते हुए पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि अगर हम सृष्टि और समाज को आध्यात्मिक ज्ञान की नज़रिया से देखें, तो इंसान का जीवन सुधर जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें समय का सदुपयोग करना चाहिए और आध्यात्मिक भावना के साथ महासभा में हिस्सा लेकर उसका अच्छे परिणाम पाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस त्रिदिवसीय ज्ञान चौतन्य महासभा में जाति, धर्म, लिंग, अमीर, गरीब और उम्र आदि मतभेदों से ऊपर उठकर आर्ष सूफी सिद्धांत की भावना से, ईश्वर की एकता पर जोर देने के साथ दार्शनिक ज्ञान से अवगत कराया जाएगा, जो सभी धर्मों का सार है। इस अवसर पर पीठ के संयोजक पेरुरु सुरीबाबू ने कहा कि पीठ का 554 साल के लंबे इतिहास वाला यह पीठ, जो वर्ष 1472 में स्थापित हुआ था, आज धार्मिक मतभेदों से परे एक आधुनिक मानवता मंदिर के रूप में अग्रसर हो रहा है। उन्होंने कहा कि ये महासभाएं पीठ प्रमुख डॉ. उमर अली शाह की अध्यक्षता में 9, 10 और 11 फरवरी को पिठापुरम में रेलवे फ्लाईओवर के पास अवस्थित नए आश्रम परिसर में बड़े धूमधाम से होंगी। यह पता चला कि देश और विदेश से लगभग 50 हजार सदस्य इस महासभा में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि पीठ की विशिष्ठताओं से दर्शकों को अवगत करने के लिए आश्रम परिसर में 36 स्टॉल लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आश्रम में करीब 900 वॉलंटियर अपनी अपनी सेवाएं देंगे। उन्होंने कहा कि महासभा के तीनों दिन नए आश्रम से पुराने आश्रम और पुराने आश्रम से नए आश्रम आने जाने हेतु फ्री बस और ऑटो की सुविधा भी दी जा रही है। बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर की सुविधाएं प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि महासभा में हिस्सा लेने वाले सभी सदस्यों को निशुल्क भोजन व चाय –नाश्ता उपलब्ध होगी। दुर्भाग्यवश यदि इस दौरान कोई सदस्य बीमार हो जाए तो उसे निशुल्क होम्योपैथी और एलोपैथिक मेडिकल सुविधाएं प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि इन प्रोग्राम में ज़िले के अधिकारी, यूनिवर्सिटी के वाइस–चांसलर, साहित्यकार, राजनीतिक हस्तियां और नगर के नेता समेत लगभग 10000 से अधिक सदस्यगण शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मीटिंग हर दिन सुबह 9 बजे दीप प्रज्वलन व प्रार्थना के साथ शुरू होगी। उन्होंने कहा कि दोपहर 3.30 बजे पीठाधिपति उमर अली शाह उन लोगों को गुरु मंत्र का उपदेश देंगे जो नया महामंत्र पाना चाहते हैं। बताया गया कि 9 और 10 फरवरी की शाम 4 से 6 बजे तक फिलोसॉफिकल यूथ डेवलपमेंट प्रोग्राम और शाम 6 से 8 बजे तक कल्चरल प्रोग्राम होंगे। इस अवसर पर शनिवार को वरिष्ठ पत्रकार मधुसूदन राव तथा ल.अशोक को सम्मानित किया गया। संवाददाता सम्मेलन में पीठम के मीडिया संयोजक आकुला रवि तेजा, सेंट्रल कमिटी के सदस्य एवीवी सत्यनारायण, एनटीवी प्रसाद वर्मा, डॉ. पिंगली आनंदकुमार, भास्कर समेत बड़ी संख्या में संवाददाता शामिल हुए।

उत्तर मध्य रेलवे

टेंडर नोटिस संख्या: सी एम-2-एसटीबीए-स्टेशन ग्रुप-2026/1 दिनांक: 05.02.2026

(यह विज्ञप्ति सूचना सरकारी नौकरी के लिये नहीं है।)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा प्रयागराज मंडल के अंतर्गत विभिन्न स्टेशन पर कम्प्यूटरीकृत अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) द्वारा अनारक्षित टिकटों को बेचने हेतु कमीशन के आधार पर प्रत्येक स्टेशन पर 3 वर्ष के लिए (NSG-5/6 स्टेशन हेतु) एक स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट (एसटीबीए) के चयन हेतु पूर्णतया भरे हुए (आवेदन) फार्म बंद लिफाफा में (जिसके ऊपर उस स्टेशन का नाम लिखा रहेगा जहाँ के लिए STBA सेवा देना चाहता है) दिनांक निविदा 10.03.2026 को 13:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

कार्य का उसके स्थान सहित नाम

निविदा नोटिस संख्या	स्टेशन कैटेगरी	स्टेशन का नाम	स्टेशन कोड	पालियाँ
1/1	NSG-6	आंगेरी खास	AGY	All Shift.
1/2	NSG-6	चुर्क	CUK	All Shift.
1/3	NSG-5	खैराही	KHRY	All Shift.
1/4	NSG-6	सलेमगढ़	SKGH	All Shift.
1/5	NSG-6	जिवनाथपुर	JEP	All Shift.
1/6	NSG-6	कैलहट	KYT	All Shift.
1/7	NSG-6	डगमगपुर	DAP	All Shift.
1/8	NSG-6	बिरोही	BEO	All Shift.
1/9	NSG-6	जिगना	JIA	All Shift.
1/10	NSG-6	इरादतगंज	IDGJ	All Shift.
1/11	NSG-6	लोहगरा	LOG	All Shift.
1/12	NSG-6	मझियारी	MJHR	All Shift.
1/13	NSG-6	मफरा	MFX	All Shift.
1/14	NSG-6	सैयदसरावां	SYWN	All Shift.
1/15	NSG-6	मनोहरगंज	MNJ	All Shift.
1/16	NSG-6	बिंदनपुर	BDNP	All Shift.
1/17	NSG-6	शुजातपुर	SJT	All Shift.
1/18	NSG-6	कटोघन	KTCE	All Shift.
1/19	NSG-6	फैजुल्लापुर	FYZ	All Shift.
1/20	NSG-6	कुरसी कलां	KKS	All Shift.
1/21	NSG-6	औंग	AUNG	All Shift.
1/22	NSG-6	कंसपुर गुग्‍गौली	KSQ	All Shift.
1/23	NSG-6	करबिगवां	KBN	All Shift.
1/24	NSG-6	प्रेमपुर	PMPR	All Shift.
1/25	NSG-6	रूरा	RXM	All Shift.
1/26	NSG-6	करहल	KAHL	All Shift.
1/27	NSG-6	महुरावल	MWUE	All Shift.
1/28	NSG-6	सोमना	SOM	All Shift.
1/29	NSG-5	सोनभद्र	SBDR	All Shift.
1/30	NSG-5	शंकरगढ़	SRJ	All Shift.
1/31	NSG-5	डभौरा	DBR	All Shift.
1/32	NSG-5	भरवारी	BRE	All Shift.
1/33	NSG-5	गोविंदपुरी	GOY	All Shift.
1/34	NSG-5	पंकी धाम	PNKD	All Shift.
1/35	NSG-5	जलेसर रोड	JLS	All Shift.
1/36	NSG-5	चोला	CHL	All Shift.
1/37	NSG-5	दनकौर	DKDE	All Shift.

निविदा फॉर्म की लागत रूपये में: 1000/- + 18% (GST) = 1180/- (एक हजार एक सौ अस्सी रूपये मात्र)। कार्यालय का पता जहाँ से निविदा फार्म खरीदा जा सकता है: मिर्जापुर, मानिकपुर, प्रयागराज, फतेहपुर, कानपुर, इटावा, टूंडला, अलीगढ़ एवं खुर्जा स्टेशन के मुख्य बुकिंग पर्यवेक्षक कार्यालय से अथवा उत्तर मध्य रेलवे के वेबसाइट http://ncr.indianrailways.gov.in से भी डाउनलोड किया जा सकता है। कार्यालय का पता जहाँ निविदा फार्म जमा किया जा सकता है: (1) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, नवाब यूसुफ रोड, सिविल लाइन, प्रयागराज, पिन- 211001 (2) उप मुख्य यातायात प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे स्टेशन बिल्डिंग, कानपुर। जमा करने वाली EMD बयाना राशि रूपये में: रु. 2000/- NSG-6 एवं रु. 5000/- NSG-5 के लिए। कार्य समापन की अवधि- 3 वर्ष NSG-5/6 के लिए। निविदा प्रस्तुत करने की तारीख एवं समय: समाचार पत्र में निविदा प्रकाशित होने की तिथि से दिनांक: 10.03.2026 को 13.00 बजे तक। निविदा खोलने की तारीख एवं समय: दिनांक 10.03.2026 को 15.30 बजे। वेब साइट एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा का पूर्ण विवरण देखा जा सकता है: निविदा सूचना समस्त शर्तें एवं नियमों के विवरण आदि उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट https://ncr.indianrailways.gov.in से भी डाउनलोड किया जा सकता है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, नवाब यूसुफ रोड, सिविल लाइन, प्रयागराज के नोटिस बोर्ड एवं उप मुख्य यातायात प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे स्टेशन बिल्डिंग, कानपुर के नोटिस बोर्ड पर विवरण देखा जा सकता है। 269/26(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

चुनौतियों का जवाब देने वाला बजट

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट भारत के सभी समूहों की आकांक्षाओं, आंतरिक और बाह्य चुनौतियों व आवश्यकताओं, राजनीतिक मांग एवं नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा देश के घोषित आर्थिक विकास लक्ष्यों की कसौटी पर खरा है या नहीं? पिछले कुछ समय से उत्पन्न वैश्विक उथल–पुथल में भारत को अपनी विकास गति बनाए रखने के साथ नई वैश्विक सांझेदारी, निर्यात बाजार आदि विकसित करने तथा घरेलू उत्पादकों को नीतियों और प्रोत्साहन से समर्थन देने की चुनौती है। बजट में कोई लोक लुभावन घोषणा नहीं, पूरा फोकस इस बात पर कि इस उथल–पुथल और अनिश्चितताओं के दौर में देश की अर्थव्यवस्था सुरक्षित, मजबूत और स्थिर होने के साथ विस्तारित भी हो, विश्व व्यापार के अनुरूप पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण उत्पादन हो, किशोर और युवा वर्ग को भारत राष्ट्र के लक्ष्य और रोजगार दिलाने के अनुरूप शिक्षा, रोजगार के अवसर उपलब्ध हों। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में 3 कर्त्तव्य के नाम पर लक्ष्य और बजट की सैद्धांतिक आधारभूमि स्पष्ट कर दी। पहला, उत्पादकता और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने तथा वैश्विक उथल–पुथल के परिदृश्य में लचीलापन लाकर आर्थिक विकास को तेज करना और उसकी गति बनाए रखना। दूसरा, भारत की समृद्धि के पथ में सशक्त सांझेदार बनाने के लिए लोगों की आकांक्षाएं पूरी करना और उनकी क्षमता बढ़ाना तथा तीसरा, सरकार की सबका साथ, सबका विकास के दृष्टिकोण के अनुकूल, यह सुनिश्चित करना कि सार्थक भागीदारी के लिए प्रत्येक परिवार, समुदाय और क्षेत्र को संसाधनों, सुविधाओं और अवसरों तक पहुंच उपलब्ध हो। वित्त मंत्री ने आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए निम्न क्षेत्रों में पहल शुरू करने का प्रस्ताव रखा। एक, रणनीतिक और अग्रणी क्षेत्रों में विनिर्माण को तेज करना। दो, विरासत के औद्योगिक क्षेत्रों का कायाकल्प करना। तीन, चौंपियन एम.एस.एम.ई. का निर्माण करना। चार, आधारभूत संरचना को सशक्त प्रोत्साहन प्रदान करना। पांच, दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा और स्थायित्व सुनिश्चित करना तथा छरू, शहरों में आर्थिक क्षेत्र विकसित करना। तमाम उथल–पुथल के बीच नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा घोषित लक्ष्यों के अनुरूप राजकोषीय घाटा 4.4 प्रतिशत तक सीमित रखना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इसीलिए इस वर्ष के लिए 4.3 प्रतिशत का लक्ष्य है। पूंजीगत खर्च, जो आधारभूत संरचना पर खर्च होता है, के लिए 12 लाख 20 करोड़ का आबंटन सरकार की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करता है। यह कुल बजट का लगभग 23 प्रतिशत है। विनिर्माण, सेवा और कृषि हमारी अर्थव्यवस्था और विकास के मूलाधार हैं। कुशल और दक्ष युवा वर्ग तैयार करना भारत का बड़ा लक्ष्य है, क्योंकि जब हम अन्य देशों से मोबिलिटी समझौता करते हैं तो काम करने वालों के क्षेत्र का भौगोलिक विस्तार हो जाता है। 2047 तक भारत का सेवा क्षेत्र में वैश्विक हिस्सा 10 प्रतिशत तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निश्चित है। वैश्विक बायोफॉर्मा निर्माण केन्द्र के रूप में भारत को विकसित करने के लिए कुल 10,000 करोड़ रुपए से बायोफॉर्मा शक्ति की शुरुआत हो रही है जो बायोलॉजिक और बायोसिमिलरों के घरेलू उत्पादन के लिए अगले पांच वर्षों में ईको–सिस्टम का निर्माण करेगी। सैमीकंडक्टर और ए.आई. क्षेत्र में देर से आने के बावजूद अग्रणी देश बनने की दृष्टि से महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं। विश्व में प्रतिस्पर्धा के अनुरूप टिकाऊ वस्त्र और परिधानों को बढ़ावा देने के लिए उद्योग जगत और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से वस्त्र कौशल ईको–सिस्टम के आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिए समर्थ 2.0 कार्यक्रम की शुरुआत हो गई है। रेशम, ऊन और जूट जैसे प्राकृतिक फाइबर, मानव निर्मित फाइबर और नए युग के फाइबरों में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्रीय फाइबर योजना है तो मशीनरी, प्रौद्योगिकी उन्नयन, परीक्षण एवं प्रमाणन केन्द्रों के लिए पूंजीगत सहायता के साथ पारम्परिक क्लस्टरों के आधुनिकीकरण के लिए वस्त्र विस्तार एवं रोजगार योजना। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को 10,000 करोड़ की विकास निधि का प्रस्ताव है, ताकि भविष्य के चौम्पियनों का निर्माण किया जा सके और निर्धारित विशेषताओं के आधार पर उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा सके। पर्यावरण रूप से टिकाऊ आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए पूर्वी भारत में डानकूनी से पश्चिमी भारत के सूरत को जोडने के लिए नए समघ्पत माल गलियारे, 5 वर्षों में 20 नए राष्ट्रीय जलमार्गों (एन.डब्ल्यू.) का संचालन, जलमार्गों और तटीय पोत परिवहन की हिस्सेदारी 6 प्रतिशत से बढ़ाकर वर्ष 2047 तक 12 प्रतिशत करने के लिए तटीय कार्गोनन, सात उच्च–गति रेल कॉरीडोर विकसित करना, सी–प्लेन के स्वदेशी निर्माण के लिए प्रोत्साहन के लिए योजना आदि प्रमुख हैं।

यूरोप के साथ मुक्त व्यापार आसान नहीं होगा

पद्मा राव सुन्दरजी

> *लेकिन क्या यह सफल होगा? या फिर (अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा यूरोप और भारत दोनों पर टैरिफ का हथियार रखने के कारण) जल्दबाजी में किए गए इस समझौते की संतान जन्मजात रूप से दोषपूर्ण है?*

इस सप्ताह के अंत तक, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन, जो गणतंत्र दिवस परेड की मुख्य अतिथि थीं, संभवतरू उस दस्तावेज पर हस्ताक्षर करेंगी, जिसे उन्होंने 'ऐतिहासिक' बताया है–भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता। 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहे जाने वाले इस मुक्त व्यापार समझौते का परिणाम 2 दशकों से रुकी हुई बातचीत के बाद सामने आया है। लेकिन क्या यह सफल होगा? या फिर (अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा यूरोप और भारत दोनों पर टैरिफ का हथियार रखने के कारण) जल्दबाजी में किए गए इस समझौते की संतान जन्मजात रूप से दोषपूर्ण है? यूरोपीय संघ और भारत द्वारा पहली बार 'रणनीतिक' संबंध की घोषणा के 3 साल बाद, 2007 में मुक्त परमाणु समझौते (एफ.टी.ए.) की वार्ता शुरू हुई। उस समय भारत नहीं, बल्कि चीन यूरोपीय संघ का सबसे पसंदीदा सांझेदार था। इसके बाद 15 दौर की वार्ताओं से कुछ खास हासिल नहीं हुआ। यूरोप भारत के प्रति अपने एकतरफा रवैये पर अड़ा रहा। कृषि जैसे पहलुओं और यूरोपीय उत्पादों पर भारत द्वारा लगाए गए अत्यधिक शुल्क को लेकर वास्तविक चिंताएं थीं। भारत कार्बन उत्सर्जन कम क्यों नहीं करता, अपने औद्योगीकरण को क्यों नहीं रोकता और पश्चिमी देशों की मांगों को क्यों नहीं मानता? क्या भारतीय चुपके से यूरोपीय संघ के उच्च श्रम और पर्यावरण मानकों का उल्लंघन करेंगे? भारत ने चीन के कहीं अधिक सकल घरेलू उत्पाद (2007 में भारत के 1.2 ट्रिलियन डॉलर की तुलना में लगभग 3.4 ट्रिलियन डॉलर), तेजी से सस्ते सामान का उत्पादन और वितरण करने की उसकी क्षमता तथा उसके बढ़ते उपभोक्ता बाजार को नजरअंदाज कर दिया। चीन–यूरोपीय संघ के बीच व्यापार और निवेश फलता–फूलता रहा लेकिन ब्रसेल्स में चीन के 'गैर–लोकतांत्रिक' स्वरूप और 'मानवाधिकार' रिकॉर्ड का शायद ही कभी जिक्र हुआ। 2013 तक, भारत–यूरोपीय संघ वार्ता अधर में लटक गई। हालात तब बदले, जब चीन से आर्थिक और भू–रणनीतिक खतरे का सामना कर रहे अमरीका ने 'इंडो–पैसिफिक' नामक एक नए महासागर की खोज की और उस देश को लुभाना शुरू किया जो इसके सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर प्रभुत्व रखता था–भारत। यूरोप ने भी इसका अनुसरण किया और भारत–यूरोपीय संघ एफ.टी.ए. पर बातचीत 2022 में फिर से शुरू हुई। यूरोपीय लोग आमतौर पर अतिशयोक्ति नहीं करते, लेकिन पिछले सप्ताह दिल्ली में चिंतन फाऊंडेशन द्वारा आयोजित एक भरे हुए सैमीनार में, यूरोपीय संघ के 3 सबसे छोटे राज्यों–इटली, माल्टा और एस्टोनिया–के प्रतिनिधियों और भारतीय विश्लेषकों ने इस बात पर जोर दिया कि मुक्त व्यापार समझौता लगभग पूरा हो चुका है। हालांकि, समस्याएं अभी भी बनी हुई हैं। यूरोपीय संघ के लिए, भारत द्वारा शराब, स्पिरिट और डेयरी उत्पादों पर लगाए गए 150 प्रतिशत तक के उच्च टैरिफ एक समस्या है। भारत के लिए, यूरोपीय संघ के कड़े बौद्धिक संपदा अधिकार नियम उसके अपने अधिक लचीले पेटैंट कानूनों से टकराते हैं, जिनके कारण सस्ती जैनरिक दवाएं संभव हो पाती हैं। यूरोप खरीद प्रक्रियाओं तक अधिक पहुंच चाहता है लेकिन 'आत्मनिर्भर भारत' स्थानीय आपूर्तिकर्त्ताओं को प्राथमिकता देता है। इसके अलावा, यूरोप का कार्बन बॉर्डर एडजस्टैंट मैकेनिज्म (सी.बी.ए.एम.) भी है, जिसे सस्ते, पर्यावरण के लिए हानिकारक उत्पादों को यूरोपीय संघ में प्रवेश करने से रोकने के लिए बनाया गया है। स्टील, एल्यूमीनियम, सीमैंट आदि पर लगाए गए भारी गैर–टैरिफ अवरोधों के कारण भारतीय लघु एवं मध्यम उद्यमों पर इसका गहरा प्रभाव पड़ेगा। शराब, स्पिरिट और डेयरी उत्पादों पर टैरिफ कम करने से घरेलू किसानों, स्थानीय शराब उद्योग और राज्य सरकार के राजस्व को खतरा होगा। यूरोपीय ऑटोमोबाइल पर टैरिफ कम करने से भारत में विनिर्माण क्षेत्र की नौकरियां खतरे में पड़ जाएंगी। यूरोपीय संघ के कृषि उत्पादों के लिए कड़े मानक (उदाहरण के लिए बासमती चावल पर कीटनाशकों की सीमा) और जटिल प्रमाणन प्रक्रियाएं भी अनुपालन के लिए कठिन होंगी। मानव संसाधन का सवाल भी है। यूरोप एक स्पष्ट एकीकृत आव्रजन नीति के बिना भारतीय नर्सों, तकनीशियनों, आई.टी. प्रतिभाओं आदि को लुभाने की कोशिश कर रहा है। भारत ऐसे कामगारों के लिए आसान वीजा प्रक्रिया और निर्बाध आवागमन चाहता है। अंततरू, यूरोपीय संघ की संरचना और उसकी जटिल प्रक्रियाएं एक बड़ी खामी हैं। ऑब्जर्वर रिसर्च फाऊंडेशन के अर्थशास्त्री संजीव आहलूवालिया बताते हैं।

कि जब तक सभी 28 यूरोपीय संघ के सदस्य देश इसकी पुष्टि नहीं कर देते, तब तक यह समझौता केवल कागजों पर ही रहेगा। लेकिन भारत के यूरोपीय संघ के अलग–अलग देशों के साथ संबंध भिन्न–भिन्न हैं। पुष्टि प्रक्रिया के दौरान इनमें टकराव हो सकता है। तो क्या भारत–यूरोपीय संघ के मुक्त व्यापार समझौते को दस्तावेज पर हस्ताक्षर होते ही एक सफल और आवश्यक विवाह का परिणाम घोषित किया जा सकता है? इसका जवाब जानने में कम से कम एक साल और लगेगा।

प्रधानमंत्री का डर और संसद की गरिमा

संसद सत्र को सत्ता पक्ष की तरफ से ही बाधित करना, एक साथ विपक्ष के सौ से ज्यादा सांसदों का निलंबन, सदन के भीतर एक अल्पसंख्यक सांसद के लिए अपशब्दों का प्रयोग, पूर्व प्रधानमंत्रियों के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल, महिला सांसदों के लिए अभद्र टिप्पणियां, संसद के भीतर रंगीन धुआं उड़ाना, संसद में हिंदू पंडितों से पूजा–पाठ करवाकर धर्मनिरपेक्षता की बलि चढ़ाना और सुबह सत्र संचालित करा रहे राज्यसभा सभापति का अचानक शाम को स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा और उन्हें औपचारिक विदाई तक न देना, मोदी सरकार में संसदीय परंपराओं और मर्यादा को किस तरह बार–बार तोड़ा गया, ये उसके चंद उदाहरण हैं। लेकिन अब तो संसदीय इतिहास को मुंह चिढ़ाते हुए मोदी सरकार ने एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसका अगला पायदान तानाशाही ही लगता है।राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष की तरफ से चर्चा के बिना ही पारित करा दिया गया। पाठक जानते हैं कि 2 और 3 फरवरी को राहुल गांधी को सत्तापक्ष ने पूरा भाषण नहीं देने दिया। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोद मुकुंद नरवणे की किताब के कुछ अंश कारवां पत्रिका में प्रकाशित हुए थे, जिसे राहुल गांधी ने सत्यापित करने के बाद उद्धृत करना चाहा लेकिन सत्ता पक्ष की टोकाटाकी के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने उन्हें नियम 349 का हवाला देते हुए अनुमति नहीं दी। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा भी कि मैं बिना उद्धृत किए ही अपनी बात रखता हूं, लेकिन जैसे ही वे चीन पर बोलने लगे, सत्ता पक्ष की घबराहट देखकर आसंदी ने उन्हें बोलने नहीं दिया। इसके बाद विपक्ष के किसी सांसद ने भाषण नहीं दिया। राहुल गांधी तो सदन में बहादुरी के साथ डटे रहे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने कायरता की नयी मिसाल देश के सामने पेश की। वे संसद आए और फिर वापस लौट गए। बुधवार शाम पांच बजे उनका भाषण लोकसभा में निर्धारित था, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला का कहना है कि उन्होंने ही प्रधानमंत्री को सदन में आने से मना किया था। उन्होंने बड़ा दावा करते हुए कहा कि ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि कांग्रेस के सांसद उन पर शारीरिक हमला कर सकते थे। इस बीच हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही को शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। ओम बिड़ला ने कहा कि अगर कोई घटना हो जाती तो लोकतंत्र की मर्यादा तार–तार हो जाती। उसे टालने के लिए मैंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वह सदन में ही ना आएं। अंत में उनके ही भाषण के बिना ही धन्यवाद प्रस्ताव को मंजूर करने का फैसला हुआ। हालांकि संसद टीवी में दिख रहा है कि कांग्रेस की महिला सांसद राहुल गांधी को बोलने से रोकने का विरोध कर रही थीं और उनके हाथों में पोस्टर थे। उनका इरादा प्रधानमंत्री मोदी पर हमले का नहीं था। लेकिन अब उसी घटना की वजह से प्रधानमंत्री के बुधवार को लोकसभा में न आने की सफाई दी जा रही है।तो कहा जा सकता है कि प्रधानमंत्री मोदी हाथ में पोस्टर थामी हुई चंद महिला सांसदों से

डर गए। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि क्या सरकार ने इस पर कोई रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। किन–किन महिला सांसदों पर सरकार का आरोप है, और उन आरोपों के लिए सबूत क्या हैं, यह सब देश को मालूम होना चाहिए, क्योंकि सवाल नरेन्द्र मोदी नहीं प्रधानमंत्री की सुरक्षा का है। क्या इसके बाद अमित शाह और अजित डोभाल को अपने पदों से इस्तीफा नहीं दे देना चाहिए, क्योंकि जो संसद में प्रधानमंत्री को सुरक्षित न रख पाएं, वो देश की सुरक्षा का क्या खाक करेंगे। वैसे यह भी शायद पहली बार ही होगा कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा पर संसद के भीतर ही खतरा बने। नरेन्द्र मोदी को अब देश के सामने एक सूची सौंप ही देनी चाहिए कि उन्हें किन–किन बातों से डर लगता है। इनमें चीन, डोनाल्ड ट्रंप, राहुल गांधी, कुछ नाम तो जाहिर हैं, अब शायद विपक्ष की महिला सांसदों का नाम भी जुड़ जाएं, इसके आगे मोदी और भी चीजें जोड़ सकते हैं। वैसे प्रधानमंत्री के संसद में भाषण न देने की असल वजह राहुल गांधी ही लग रहे हैं। बुधवार को राहुल गांधी संसद में मनोज नरवणे की किताब लेकर आए थे, और पत्रकारों से उन्होंने कहा था कि वे इसे प्रधानमंत्री को सौंपेंगे, ताकि वे खुद पढ़ें कि क्या लिखा हुआ है। इस सुपुर्दगी से बचने के लिए ही प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा से गायब हो गए।बुधवार को संसद में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को ढाल बनाने का पैंतरा भी मोदी के लिए असरकारी नहीं हुआ, बल्कि उसका उल्टा असर हुआ। निशिकांत दुबे ने कम से कम छह किताबों के हवाले से पं.नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी सब पर कीचड़ उछालने की कोशिश की, लेकिन वो आसमान में थूकने जैसी साबित हुई। निशिकांत दुबे ने नेहरू–गांधी परिवार के लिए अय्याशी, मक्कारी, भ्रष्टाचारी जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर हमले किए। इसके बाद गुरुवार को वे राहुल गांधी के कपड़ों पर आ गए कि वे टी शर्ट और ढीली–ढाली पतलून में आ जाते हैं, उनके मन में खादी के लिए सम्मान नहीं है, तो वे संसद का क्या सम्मान करेंगे। निशिकांत दुबे तो यहां तक कह गए कि राहुल गांधी ने तीन दिन से संसद को बंधक बना कर रखा है। इस तरह निशिकांत दुबे ने अपनी ही सरकार की कमजोरी दिखा दी, अगर संसद को विपक्ष ने बंधक बनाया भी तो सरकार में इतना दम नहीं है कि वो संसद को आजाद करा सके। वहीं पं.नेहरू, इंदिरा गांधी, सोनिया गांधी के चरित्र पर कीचड़ उछाला गया तो पलट कर भाजपा नेता और दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के विवाहिता से प्रेम प्रसंग और संतान से लेकर नरेन्द्र मोदी द्वारा पत्नी का त्याग करना जैसे सारे प्रसंग याद दिलाए गए। इस तरह जो कीचड़ भाजपा ने कांग्रेस पर उछालना चाहा, वो पलट कर उस पर ही गिरा।इधर राज्यसभा में भी मोदी सरकार के लिए मुसीबतें बढ़ी हुई हैं।

यहां नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि भाजपा लोगों को बोलने नहीं देती। भाजपा ने प्रधानमंत्री मोदी को जंजीरों में जकड़ रखा है, उन्हें बोलने नहीं दे रही। उन्होंने बताया कि विपक्ष सत्ताधारी दल की तरह दूसरों को श्पीट–पीटकर गाली–गलौजश नहीं करता। जन प्रतिनिधियों को बोलने न देकर जनता की आवाज को कुचला जा रहा है। इसी तरह प्रियंका गांधी ने भी कहा कि भाजपा के लोग एपस्टीन फाइल्स के खुलासे और अमेरिका से व्यापार समझौते को गुप्त रखने के कारण डरे हुए हैं, इसलिए संसद में विपक्ष को बोलने नहीं दे रहे। कुल मिलाकर मोदी सरकार के संसद की गरिमा को जिस रसातल में पहुंचाया है, उसका जवाब देश को उन्हें देना होगा।

पंथक वोटरों के लिए तय करना मुश्किल कि असैंबली चुनावों में वोट दें या नहीं

इकबाल सिंह चन्नी

> *लेकिन इस पूरे परिदृश्य में, लगभग सभी पाघ्टयों की हालत 'हमाम में सब नंगे' जैसी हो गई है क्योंकि इस समय सभी मुख्य पार्टियों पर पंथक हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लग रहा है। अगर हम मौजूदा राजनीतिक दलों का विश्लेषण करें।*

2027 के पंजाब असैंबली के लिए पंथक मामले एक केंद्रीय मुद्दा बन गए हैं। सभी राजनीतिक दल पंथक एजैंडे को आगे रखकर चुनाव जीतने की कोशिश कर रहे हैं। सभी पार्टियां खुद को पंथक सपोर्टर और दूसरी पार्टियों को पंथ विरोधी बताने में कोई कसर नहीं छोड़ रहीं। लेकिन इस पूरे परिदृश्य में, लगभग सभी पाघ्टयों की हालत 'हमाम में सब नंगे' जैसी हो गई है क्योंकि इस समय सभी मुख्य पार्टियों पर पंथक हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लग रहा है। अगर हम मौजूदा राजनीतिक दलों का विश्लेषण करें, तो सभी पार्टियों पर पंथक मुद्दों पर किसी पर कुछ कम और किसी पर कुछ ज्यादा आरोप लग रहे हैं। यह सब समझने के लिए, आइए सभी प्रमुख पार्टियों कांग्रेस, भाजपा, 'आप' और अकाली दल बादल के पंथक मुद्दों के प्रति पिछले बर्ताव का विश्लेषण करते हैं। देश की सबसे पुरानी पार्टी और सबसे लंबे समय तक देश और राज्यों पर राज करने वाली कांग्रेस की बात करें, तो सबसे ज्यादा आरोप इसी पार्टी पर लगते हैं। देश आजाद होने के बाद, जब कांग्रेस सत्ता में आई, तो सिखों यानी पंथ के साथ भेदभाव का दौर शुरू हो गया। अगर इतिहास देखें, तो देश आजाद होने के बाद, सिखों से किए गए वादों को भूलकर, कांग्रेस ने सिखों के साथ भेदभाव करना शुरू कर दिया, जिसमें पंजाब के गवर्नर द्वारा सिखों को क्रिमिनल कम्युनिटी घोषित करना, भाषा के आधार पर पंजाबी राज्य बनाने से मना करना, पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ को केंद्र शासित बनाना, पानी के बंटवारे में पंजाब के साथ भेदभाव करना, पंजाब की चुनी हुई सरकारों को बार–बार तोड़कर राष्ट्रपति शासन लागू करना, श्री अमृतसर के दरबार साहिब में श्री अकाल तख्त पर हमला करना और उस समय की प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली और देश के अलग–अलग हिस्सों में सिखों का कत्लेआम करना और सिखों के कातिलों को सजा देने की बजाय उन्हें ऊंचे पद देना शामिल था। लेकिन कांग्रेस पार्टी इन आरोपों के जवाब में ज्ञानी जैल सिंह को राष्ट्रपति, स. बूटा सिंह को गृहमंत्री, स. मनमोहन सिंह को देश का प्रधानमंत्री बनाने का श्रेय लेकर खुद को पंथक हितैषी होने का दावा करती है। शिरोमणि अकाली दल, जिसे अब अकाली दल बादल के नाम से जाना जाता है, खुद को पंथ का सबसे बड़ा हमदर्द बताता है और उस पर कई पंथ विरोधी काम करने के कई आरोप हैं। इनमें खासकर 1978 में हुई निरंकारी घटना, मोगा कॉन्फ्रैंस के दौरान अकाली दल को पंथक पार्टी की जगह पंजाबी पार्टी घोषित करना, बाबा राम रहीम की बेअदबी के लिए उनके खिलाफ एक्शन न लेना, सरकारी मदद से बाबा राम रहीम की फिल्म चलाना, बाबा राम रहीम को माफ करना, शांति से प्रोटैस्ट करने वाले सिखों पर गोली चलाना और श्री अकाल तख्त साहिब के हुक्मनामे को पूरी तरह लागू न करना तथा सिख मसलों को पूरी तरह हल न करना शामिल है। अकाली दल बादल ने इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया है और सिख पंथ के लिए किए गए अपने कामों का हवाला देकर खुद को सिख पंथ का प्रवक्ता बताया है। इन कामों में पंजाबी सूबा बनाना, सिख गुरुओं के दिनों को बड़े पैमाने पर मनाना, सिख शहीदों की यादगारें बनाना, सिख इतिहास को दुनिया के सामने लाना, विरासत–ए–खालसा जैसी यादगारें बनाना, सिख धर्म के प्रचार–प्रसार के लिए देश–विदेश में प्रचार केंद्र खोलना और कई दूसरे काम शामिल हैं। 'आप', जो कुछ साल पहले ही बनी है, अब तक खुद को सैक्युलर पार्टी के तौर पर पेश करती रही है लेकिन उसने सिखों से किए वादे, जैसे बेअदबी और बहबल कलां और कोटकपूरा गोली कांड में इंसाफ का वादा पूरा नहीं किया है। इसके अलावा, सुल्तानपुर में गुरुद्वारा साहिब पर पुलिस की फायरिंग, 'आप' के मुख्यमंत्री द्वारा सिख मर्यादाओं का उल्लंघन, अकाल तख्त साहिब और गुरु की गोलक के बारे में कहे गए अपशब्द, हर दिन हो रही बेअदबी की घटनाएं और गायब पवित्र स्वरूपों की बरामदगी पर यू–टर्न। लेकिन आम आदमी पार्टी ने भी दूसरों की तरह खुद को पंथक हितों के रखवाले के तौर पर पेश करना शुरू कर दिया है। 'आप' का दावा है कि उसने बेअदबी करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाए हैं।

एसीपी रीता फरेरा की भूमिका में नजर आएंगी भूमि पेडनेकर

बोलीं- हम बचपन में जिस ट्रॉमा से गुजरे हैं, दलदल वही मानसिक घुटन को दर्शाता है

भूमि पेडनेकर की नई सीरीज 'दलदल' एक फरवरी से अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम होने जा रही है। भूमि इस सीरीज में एसीपी रीता फरेरा की भूमिका में नजर आएंगी। दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान भूमि ने बताया कि हम बचपन में जिस ट्रॉमा से गुजरे हैं, दलदल वही मानसिक घुटन को दर्शाता है। इसके साथ ही भूमि ने किरदार की तैयारी, अभिनय की चुनौती, पितृसत्ता पर व्यंग्य, ग्लैमर ठुकराकर कंटेंट चुनने के साहस पर बात कीं। पेश है कुछ खास अंश.. सवालरू दलदल नाम बहुत सिम्बॉलिक लगता है। हालांकि आपके शुरुआती करियर से ही आपकी चीजें हमेशा सिम्बॉलिकघ्घ्घ्घ्घ रहीं हैं, लेकिन ये नाम क्या दर्शाता है? जवाबरू मुझे लगता है कि हम सब इंसान के तौर पर अपने बचपन और पास्ट के कई ट्रॉमा से अभी भी जूझ रहे होते हैं, और हमें कई बार पता भी नहीं चलता। बचपन में जो घाव लगे, वो बड़े होकर भी बोझ बनकर साथ चलते रहते हैं। दलदल वैसा ही है। जो क्लॉस्ट्रोफोबिया या घुटन हम बड़े होकर महसूस करते हैं। भले ही परिवार से प्यार मिले, अच्छे दोस्त हों, लेकिन हर किसी की जिंदगी इतनी खूबसूरत नहीं होती। कुछ लोगों का बचपन बहुत कठिन होता है। समाज के तौर पर हमारी जिम्मेदारी है कि उन गैप्स को समझें, जिनसे कोई इंसान बड़े होकर गलत फैसले ले लेता है। मेरे लिए दलदल यही दर्शाता है। सवालरू आपकी लाइफ में भी बहुत दर्द रहा है, और उनसे निकलना मुश्किल होता है। जब आप एसीपी रीता फरेरा का किरदार निभा रही थीं, तो वो दर्द चल ही रहा था? जवाबरू एक आर्टिस्ट के तौर पर आप अपने पर्सनल एक्सपीरियंस को हमेशा इस्तेमाल करते हैं। वो एक बैंक की तरह होता है, जहां से आप निकालते रहते हैं। इस किरदार के लिए ये जरूरी था। जैसा आपने कहा, बचपन में कई एक्सपीरियंस होते हैं, मेरे साथ भी हुए। स्कूल में हो या एक औरत के तौर पर, आज के जमाने में एक इंडिपेंडेंट औरत को बहुत कुछ फेस करना पड़ता है। कोई टच करता है, कोई गलत नजर से देखता है। अगर आप वर्किंग वुमन हैं, तो हल्की–सी नाइंसाफी हमेशा फील होती है। ये सारे एक्सपीरियंस आप अपने काम में डालते हैं। मैंने श्दलदलश में यही किया, लेकिन ये टफ था क्योंकि बार–बार उन ट्रॉमा को दोहराना पड़ता है। सवालरू दलदल में मां बेटी का रिश्ता अहम है, लेकिन रियल लाइफ में आपने पिता के साथ वो दर्द जिया। आपके लिए ये बहुत मुश्किल रहा होगा? जवाबरू मेरे पिता के साथ मेरा बहुत खूबसूरत रिश्ता था। उनका जाना मेरे लिए बहुत बड़ा सदमा था। मैं तब बहुत छोटी थी, लेकिन ये एक्सपीरियंस इतना पर्सनल है कि मैं इसे छूती तक नहीं। मैं अपनी फिल्मों में पिता की मेमोरी का शोषण नहीं करना चाहती। कैरेक्टर वर्क के लिए बहुत सी दूसरी चीजें यूज करती हूं, लेकिन इसको नहीं। सवालरू सीरीज में आपकी बॉडी लैंग्वेज कमाल की है। डायलॉग डिलीवरी से लेकर रफ इमोशंस सब निकल रहे हैं। इस किरदार के लिए आपकी तैयारी कैसी रही? जवाबरू इसके लिए हमने 3–4 महीने की तैयारी की। पहले डेढ़ महीने सिर्फ किरदार को समझा। मैंने महिला पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की, मेरी मासी हरियाणा पुलिस में हाई लेवल ऑफिसर रहीं हैं। अब रिटायर्ड हैं। मैंने आपराधिक मनोविज्ञान के विशेषज्ञों से बात की। मुझे यह समझना था कि एक औरत इस सिस्टम, राजनीति और दबावों के बीच खुद को कैसे संभालती है। रीता के भीतर बहुत कुछ दबा हुआ है और वही उसे खतरनाक भी बनाता है। सवालरू स्विच ऑन–ऑफ करना और इससे निकलना कितना मुश्किल था? जवाबरू बहुत मुश्किल था। एक समय आया जब मैंने फैसला किया कि इससे निकलूंगी नहीं, क्योंकि इसमें घुसना ही उतना ही कठिन था। ये थकान पैदा कर रहा था। मैं एग्जॉस्ट हो गई। रोज किरदार के ट्रॉमा और हैवीनेस में घूम रही थी। सोचा, इससे बाहर न निकलें। फैमिली–दोस्त समझ लेंगे। बेहतर है इसमें जी लूं, डिसकनेक्ट नहीं होना चाहती थी। सवालरू सेट पर सबसे चौलेंजिंग क्या था? कौन सा सीन इतना मुश्किल था? जवाबरू एक सीन था शुरुआत में, जहां समारा तिजोरी का किरदार अनीता पहली बार मुझसे मिलने आती है। वहां मुझे पूरी तरह संयमित रहना था। मैं काम कर रही हूं, सवाल पूछ रही हूं। मेरा नेचुरल इंस्टिंक्ट था कि उठूं, थोड़ा ड्रामा करूं, लेकिन नहीं, बस बैठे रहना था। एक कलाकार के तौर पर कुछ करने की चाह होती है, लेकिन यहां कुछ न करना ही अभिनय था। वही सीन मेरे लिए सबसे कठिन और सबसे संतोषजनक रहा। सवालरू वह सीन बहुत अच्छा निकलकर आया भी होगा, जिसमें इग्नोरेंस, अथॉरिटी, जानबूझकर की चीजें सब साफ दिख रही होंगी, क्या कहना चाहेंगी? जवाबरू मैं शूटिंग के दौरान बहुत अंडरकॉन्फिडेंट थी। ऐसे पीस करना मुश्किल था जहां डायलॉग कम हों। हमारी प्रैक्टिस ऐसी नहीं रही है।मुझे मोनोलॉग पसंद हैं। जैसे श्भक्षकश में 8 मिनट का था, वो ब्यूटीफुल लगता है। लेकिन यहां डायलॉग कम करने को कहा गया तो घबराहट हुई। सोचा, लोग समझ पाएंगे? ये तो न लगे कि कुछ कर ही नहीं रही, बस बैठी हूं। ये मेरे डर थे। अगर आप तक ये पहुंचा तो कॉन्फिडेंस आया। मैं पूरी तरह डायरेक्टर पर पिगीबैक करती हूं। ये उनका मैजिक है कि ये इमोशंस लोगों तक पहुंचे। सवालरू ये अंडरकॉन्फिडेंस और डर जो आप बता रही हैं, जिसका रिजल्ट इतना शानदार है, तो हर एक्टर को ऐसा डर होना चाहिए? पैट्रियार्की और मेल डोमिनेंस वाले कॉम्पिटिशन में आप अपने डिपार्टमेंट के लोगों से कैसे लड़ रही हैं? जवाबरू शो मजेदार तरीके से लिखा है। थोड़ा हल्कापन है, जैसे मेरे और कमिश्नर के सीन है। मैंने शो दो बार देखा है। वो सीन बहुत ही सटायर और व्यंग्य से भरे हैं। इंटेंस शो में पैट्रियार्की और पॉलिटिक्स पर इतने लाइट तरीके से स्ट्रॉन्ग कमेंट किया गया है कि वह मेरा फेवरेट पार्ट बन गया है। पुलिस डिपार्टमेंट वाले सीन सबसे अच्छे हैं, और ज्यादातर में मैं नहीं हूं। सवालरू पैट्रियार्की की बात करें तो इंडस्ट्री में भी आपने खुद के दम पर सोलो फिल्में कीं। थैंक यू फॉर कमिंग, भक्षक, अब दलदल। अपने कंधों पर जिम्मेदारी ले रही हो। आपको नहीं लगता कि यहां भी आप उस दलदल से अपने दम पर बाहर निकल रही हो? जवाबरू खुद के ट्रॉमा से डील करने का मेरी फिल्में और शोज मेरा जरिया हैं। दम लगा के हईशा, बाला, सोनचिड़िया जैसी फिल्मों से गुजरी हूं। स्कूल में बुलिंग हुई क्योंकि मेरी लुक पॉपुलर लड़कियों जैसी नहीं थी। एडल्टहुड में इन चीजों को एक्सेप्ट करना शुरू किया। सवालरू अंडरकॉन्फिडेंट लड़की परफॉर्मेंस में ट्रांसफॉर्म हो जाती थी। शुरुआती फिल्मों की जर्नी में सबसे खूबसूरत क्या लगता है?

फिल्ममेकर एटली दीपिका पादुकोण के साथ जवान में काम कर चुके हैं. उनकी फिल्म जवान सुपरहिट साबित हुई थी. जवान के बाद एटली एक बार फिर दीपिका पादुकोण के साथ काम करने जा रहे हैं और उन्होंने फिर से एक्ट्रेस की तारीफ की है. एटली तेलुगू पैन इंडिया फिल्म ।।22•।6 बना रहे हैं. जिसमें अल्लू अर्जुन लीड रोल में नजर आएंगे. इस फिल्म में दीपिका पादुकोण भी नजर आने वाली हैं. एटली ने दीपिका को अपना लकी चार्म कहा है और हिंट दी है कि फिल्म में दीपिका का नया वर्जन देखने को मिलने वाला है. एटली ने हाल ही में इंडिया टुडे से खास बातचीत में दीपिका पादुकोण के साथ दूसरी बार काम करने को लेकर बात की. एटली ने दीपिका के मां बनने के बाद फिल्मों में उनकी वापसी को लेकर अपनी एक्साइटमेंट शेयर की. दीपिका है लकी चार्म दीपिका ने कहा– हां, वो मेरी लकी चार्म हैं. ये दीपिका के साथ मेरी दूसरी फिल्म है, और वो कमाल की हैं, वो अनबिलिवेबल हैं. एटली ने बताया कि ये फिल्म दीपिका का बिल्कुल अलग साइड दिखाएगी, जो मां बनने के बाद स्क्रीन पर उनकी वापसी है. पहली बार अल्लू अर्जुन के साथ करेंगी काम ।।22•।6 से दीपिका पादुकोण पहली बार अल्लू अर्जुन के साथ काम करने जा रही हैं. एटली ने इस प्रोजेक्ट को अपने करियर की सबसे बड़ी फिल्म बताया है और खुलासा किया है कि टीम अपने विजन को सच करने के लिए बिना थके काम कर रही है.एटली ने कहा– श्हर दिन, हम कुछ न कुछ नया खोज रहे हैं. मुझे पता है कि हर कोई फिल्म के बारे में सुनना चाहता है. और सच कहूं तो, अपने दर्शकों से ज्यादा, मैं उन्हें सब कुछ बताने का इंतजार कर रहा हूं. हम इस पर काम करते हुए रातों की नींद खराब कर रहे हैं. मुझे पता है कि ये कोई बहाना नहीं है, लेकिन हम भी उतने ही एक्साइटेड हैं. हम सबके लिए कुछ बहुत बड़ा तैयार कर रहे हैं. और एक बार जब यह पूरा हो जाएगा, तो मेरा यकीन मानिए, हर कोई इसका पूरा मजा लेगा.श

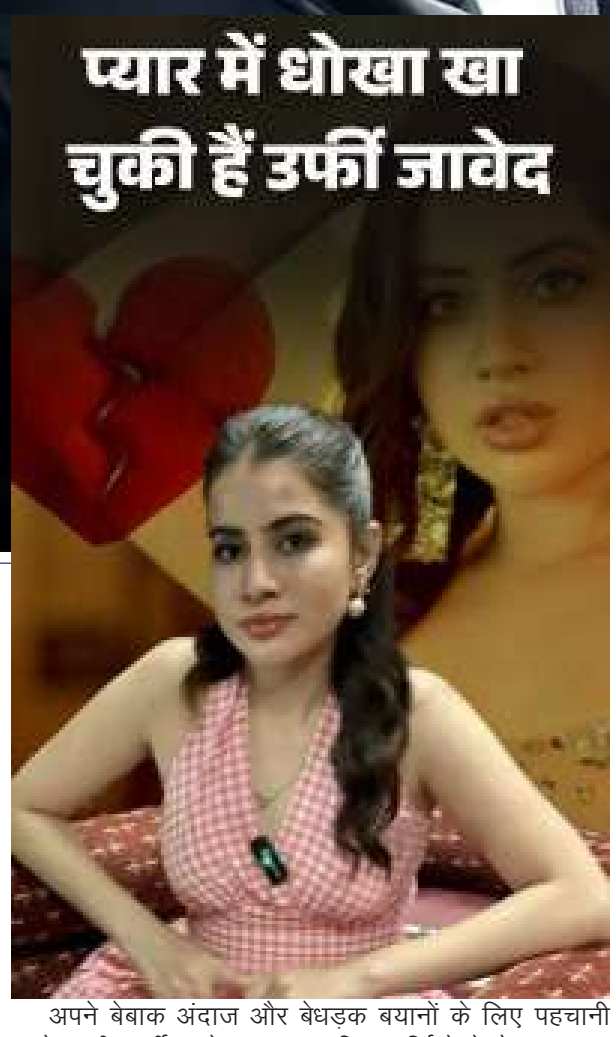

अपने बेबाक अंदाज और बेधड़क बयानों के लिए पहचानी जाने वाली उर्फी जावेद एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह है उनका स्प्लिट्सविला ग्6 में धमाकेदार कमबैक, जहां वह निया शर्मा के साथ मिलकर 'मिसचीफ मेकर' की भूमिका निभाती नजर आएंगी। शो में जहां प्यार और पैसों के बीच जंग देखने को मिलेगी, वहीं उर्फी और निया कंटेस्टेंट्स के लिए नए ट्विस्ट और टर्न लेकर आएंगी। दैनिक भास्कर से बातचीत में उर्फी जावेद ने निया के साथ अपनी बॉन्डिंग और पर्सनल लाइफ पर भी खुलकर बात की है। स्प्लिट्सविला ग्6 में आपकी वापसी हो रही है। इस बार दर्शक आपको किस रोल में देखने वाले हैं? मैं और निया शर्मा इस सीजन में मिसचीफ मेकर्स हैं। हमारा रोल किसी के फेवर में फैसला लेने का नहीं है, बल्कि गेम को और ज्यादा दिलचस्प बनाना है। जब कंटेस्टेंट्स को लगता है कि उन्होंने पूरा गेम समझ लिया है और अब सब उनके कंट्रोल में है, तभी हमारी एंट्री होती है। हम ऐसे ट्विस्ट लेकर आते हैं जो उनके पूरे प्लान को हिला देते हैं। यानी जब सब कुछ आसान लगने लगता है, तभी हम आकर बताते हैं कि गेम अभी बाकी है। निया शर्मा के साथ आपकी पेयरिंग को लेकर काफी चर्चा है। जब पहली बार आपको इस बारे में पता चला, तो आपका क्या रिएक्शन था? शुरुआत में जब मुझे बताया गया कि मेरे साथ एक और लड़की होगी, तो मेरे मन में सवाल आया कि शो का डायनैमिक कैसा रहेगा। लेकिन जैसे ही मुझे पता चला कि वो निया शर्मा हैं, सारी शंकाएं खत्म हो गईं। मुझे लगा कि अगर साथ में कोई आ रहा है।

5 सालों की उठा–पटक के अब धमाकेदार वापसी करेंगी रिया चक्रवर्ती, बोलीं, जिंदगी वही है जो आपके साथ होती है

साल 2020 में एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती की जिंदगी में गहरा तूफान आया। कानूनी जांच, मीडिया ट्रायल और सार्वजनिक आलोचनाओं ने उन्हें अंदर से तोड़ दिया। ड्रग्स से जुड़े एक मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था, जिसके बाद उन्होंने करीब 28 दिन भायखला जेल में बिताए। बॉम्बे हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद वह बाहर आईं। लंबे समय तक चली जांच के बाद आखिरकार उन्हें मार्च 2025 में क्लीन चिट दे दी गई। हालांकि, इन पांच सालों के बीच रिया की पूरी तरह बदल गई। वहीं, अब पांच सालों तक जिंदगी में चली उठा–पटक के बाद रिया और मजबूत होकर सामने आई हैं। एक्ट्रेस एक बार फिर अपने करियर को नई दिशा देने के लिए तैयार हैं। लंबे संघर्ष के बाद रिया चक्रवर्ती एक बार फिर कैमरे के सामने लौटने के लिए तैयार हैं। लंबे ब्रेक के बाद वह वेब सीरीज 'फैमिली बिजनेस' के जरिए अपने अभिनय करियर की नई शुरुआत कर रही हैं। इस वापसी को लेकर रिया ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनका उत्साह, डर और उम्मीद तीनों साफ झलकते हैं। वीडियो में रिया बताती हैं कि उन्हें किसी सेट पर कदम रखे हुए करीब सात साल हो चुके हैं, लेकिन अभिनय के लिए उनका जुनून आज भी वैसा ही है। उन्होंने कहा कि समय ने भले ही उन्हें बदल दिया हो, लेकिन उनके भीतर की वह लड़की अब भी जिंदा है, जो 17 साल की उम्र में एक्टर बनने का सपना लेकर मुंबई आई थी। रिया के शब्दों में, सेट पर गए हुए 7 साल हो गए हैं...लेकिन मैं आज भी वही लड़की हूं जो 17 साल की उम्र में एक्टर बनने का सपना लेकर बॉम्बे आई थी। मेरा एक हिस्सा आगे बढ़ गया, लेकिन एक हिस्सा वहीं रुका रहा और इंतजार करता रहा। और मैं यहां हूं, एक बार फिर अपने चौप्टर 2 में...ऐसा लगता है कि जिंदगी वही है जो आपके साथ होती है जब आप दूसरी योजनाएं बनाने में व्यस्त होते हैं। अपनी पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने जिंदगी के उतार–चढ़ाव पर भी बात की। रिया ने लिखा कि अक्सर जिंदगी वही मोड़ ले लेती है, जिसकी हमने कल्पना भी नहीं की होती और वही हमें आगे बढ़ना सिखाती है। रिया ने वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि आखिरी बार वो चेहरे में नजर आई थीं और अब वो सात साल बाद पर्दे पर वापसी कर रही हैं। उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत की मौत का जिक्र किए बिना कहा कि उनकी जिंदगी में कुछ ऐसा हुआ था कि काम मिलना बंद हो गया था। अब वो कई सालों बाद कैमरे के सामने वापसी कर रही हैं, जो उन्हें अच्छा लग रहा है।रिया की इस ईमानदार स्वीकारोक्ति पर फैंस का जबरदस्त रिएक्शन देखने को मिला। कमेंट सेक्शन में लोग उन्हें हिम्मत, ताकत और नई शुरुआत के लिए बधाइयां दे रहे हैं। 'फैमिली बिजनेस', नेटफ्लिक्स की सीरीज एक हाई–स्टेक कॉर्पोरेट ड्रामा है, जिसकी कहानी सत्ता, पारिवारिक रिश्तों और विश्वासघात के इर्द–गिर्द घूमती है। इस शो की खास बात यह है कि इसमें पहली बार अनिल कपूर और विजय वर्मा एक साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। सीरीज का निर्देशन हंसल मेहता ने किया है, जो अपनी सशक्त और यथार्थवादी कहानी कहने के लिए जाने जाते हैं। शो की स्टार कास्ट भी काफी दमदार है, रिया चक्रवर्ती के साथ अनिल कपूर, विजय वर्मा, नेहा धूपिया, रायमा सेन, आकाश खुराना, कंवलजीत सिंह, अनंत नाग, ध्रुव सहगल, नंदिश संधू, टीना देसाई जैसे कई मजबूत कलाकार इसमें शामिल हैं।

बदलते मौसम में थोड़ी सी लापरवाही भी स्वास्थ्य पर भारी पड़ जाती है। वैसे तो इन दिनों दिन में काफी तेज धूप निकल रही है जिसके कारण गर्मी लगने लगती है परंतु वहीं इसके विपरित रात में ठंडी हवाएं चल रही हैं जो आपको बीमार भी बना सकती हैं। दिन में हो रही गर्मी देखकर लोगों ने गर्म कपड़े पहनने बंद कर दिए हैं ऐसे में शाम को होने वाली इस ठंड के कारण लोगों को सर्दी–जुकाम और बुखार घेर रहा है। इस मौसम में बीमारियों से शरीर को बचाने के लिए इम्यूनिटी मजबूत होनी जरुरी है। आज आपको इस आर्टिकल के जरिए 5 ऐसे फल बताते हैं जो आपकी इम्यूनिटी मजबूत बनाएंगे। आइए जानते हैं इनके बारे में।

संतरा

संतरे में विटामिन–सी काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है ऐसे में यह इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इसके अलावा इसमें विटामिन–ए, पोटैशियम और फाइबर भी मौजूद होता है जो शरीर के लिए लाभकारी माना जाता है। रोजाना संतरे का सेवन करने से इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है और शरीर को इंफेक्शन से लड़ने में मदद मिलती है।

अनार

अनार में विटामिन–सी, विटामिन–ई, विटामिन–ए और एंटीऑक्सीडेंट्स अच्छी मात्रा में मौजूद होते हैं जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसके अलावा अनार में आयरन, मैग्नीशियम और पोटेशियम भी पाया जाता है जो शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाने और ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद करता है।

कीवी

इसमें विटामिन–सी पाया जाता है जिसका सेवन बदलते मौसम में करना फायदेमंद माना जाता है। कीवी में कई तरह के विटामिन्स और एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं जो शरीर का इम्यून सिस्टम मजबूत बनाने में मदद करते हैं। कीवी में फाइबर, पौटेशियम और फोलेट पाया जाता है जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है।

आंवला

आंवला में विटामिन–सी और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा ज्यादा होती है ऐसे में इसका नियमित तौर पर सेवन करने से संक्रमण से लड़ने में मदद मिलती है। आंवला का सेवन करने से इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है। आंवला में फाइबर और अन्य पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो शरीर के लिए फायदेमंद होते हैं।

अंगूर

अंगूर विटामिन–सी, विटामिन के और कैल्शियम का अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह शरीर को किसी भी तरह के इंफेक्शन से बचाने में मदद करता है। अंगूर में कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद करते हैं।

ज्यादा देर तक मोबाइल चलाने, लैपटॉप पर घंटों बिताने के कारण आंखों की रोशनी कमजोर हो रही है। जहां पहले बढ़ती उम्र का असर आंखों पर पड़ता था वहीं आजकल ज्यादा स्क्रीन पर समय बिताने के कारण छोटी उम्र में सभी को चश्मा लग रहा है। इसके अलावा भी कुछ ऐसी आदतें हैं जो आपकी आंखों को कमजोर बना सकती हैं। इन आदतों को नजरअंदाज करने के कारण उम्र से पहले ही आपको चश्मा लग सकता है। आइए जानते हैं इनके बारे में।

ज्यादा फोन इस्तेमाल करना

आजकल सभी का ज्यादातर समय फोन पर ही बिता रहा है। ऐसे में आंखें ड्राई हो जाती है, धुंधली आंखों की रोशनी और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती है। डिजिटल स्क्रीन सेफ्टी चश्मे से कंप्यूटर आई स्ट्रेस से आप निपट सकते हैं। इसके अलावा आपको स्क्रीन टाइम के घंटों को भी कम करना होगा। स्क्रीन से दूर देखने के लिए 20 मिनट तक का ब्रेक लें, दूर की किसी चीज को देखें और अपनी आंखों को आराम दें। आंखों को चिकनाई देने के लिए लगभग दस बार धीरे–धीरे पलकें झपकाएं।

अनहेल्दी खान–पान

डाइट में ऐसी चीजें शामिल करने से जो अनहेल्दी हो उसके कारण भी आंखों की रोशनी को नुकसान पहुंच सकता है। सिर्फ स्वस्थ शरीर ही नहीं बल्कि आंखों की रोशनी सही रखने के लिए भी डाइट का ध्यान रखना जरुरी है।

कम पानी पीने के कारण

यदि आप कम मात्रा में पानी पीते हैं तो इसके कारण आपकी आंखों में पानी की कमी हो सकती है। इसके कारण आंखें सूजी, ड्राई और लाल होने लगेगी। डिहाइड्रेशन के कारण आंखों में आंसू भी नहीं आएंगे।

धूप का चश्मा न पहनना

यदि आप धूप में जाते हैं और चश्मा नहीं पहनते तो आपकी आंखे हानिकारक यूवी किरणों की संपर्क में आ सकती है जिसके कारण आंखे कमजोर हो सकती हैं।

बार–बार आंखें मलना

यदि आप अपनी आंखों को बार–बार रगड़ते हैं तो भी यह खराब हो सकती हैं। आंखे मलने के कारण मायोपिया और ग्लूकोमा की स्थिति खराब हो सकती है जिसके सीधा असर आंखों पर पड़ता है।

धूम्रपान

धूम्रपान करने का सीधा असर भी आंखों पर पड़ता है। इसके कारण आइ कंडिशन रिस्क मैक्यूलर डिजनरेशन, ग्लूकोमा, ड्राई आई और मोतियाबंद जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा धूम्रपान न करने वालों की तुलना में धूम्रपान करने वाले लोगों में मैक्यूलर डिजनरेशन होने की ज्यादा संभावना होती है।

पूरी नींद न लेना

यदि आप पूरी नींद नहीं लेते तो भी आपकी आंखे लाल हो सकती हैं। इसके अलावा आपकी आंखों के नीचे डॉर्क सर्कल, ड्राई आई की समस्या भी हो सकती है।

सांस लेने से लेकर, खाने और सोने तक सब कुछ हमारा शरीर और उसके कई अंग कई काम करते हैं। यह बिना रुके काम करता है। इससे शरीर में बहुत सारे गंदे पदार्थ जमा हो जाते हैं। यही कारण है कि शरीर की भीतरी सफाई जरुरी है। ऐसे में शरीर को डिटॉक्स करना जरुरी है। डिटॉक्स करने से शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं। बॉडी को हैल्दी और नैचुलर तरीके से डिटॉक्स करना चाहिए। इसके लिए आप एक्सरसाइज कर सकते हैं और कुछ हेल्दी फूड्स को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा शरीर को डिटॉक्स करने के लिए आप रुटीन में कुछ आदतों को शामिल कर सकते हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में।

शरीर को रखें हाइड्रेट

बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए अपने दिन की शुरुआत एक गिलास पानी के साथ करें। शरीर में से यूरिया और कार्बन डाइऑक्साइड जैसे जहरीले पदार्थों को बाहर निकालने के लिए हाइड्रेटेड रहना जरुरी है। सुबह के समय एक गिलास गर्म या ठंडे पानी में निचोड़ा हुआ नींबू पिएं। इससे आपकी बॉडी हाइड्रेटेड रहेगी और पाचन को भी स्वस्थ रहेगा। नींबू में पैक्टिन नाम का एक घुलनशील फाइबर मौजूद होता है ऐसे में यह पानी को एक डिटॉक्स ड्रिंक बनाता है।

एक्सरसाइज करें

सिर्फ हेल्दी डाइट ही नहीं बल्कि शरीर को डिटॉक्सीफाई करनेके लिए नियमित एक्सरसाइज भी जरुरी है। रुटीन में एक्सरसाइज करने से शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थ बाहर निकलेंगे। जब शरीर में पसीना आता है तो शरीर में से आर्सेनिक, निकेल, मर्करी और तांबा जैसी धातुएं निकलती हैं जिससे शरीर को डिटॉक्सीफाइ करने में मदद मिलती है।

शराब से बनाएं दूरी

शराब का सेवन करने से आपके शरीर में से डिटॉक्सीफिकेशन प्रभावित हो सकती है। शराब का सेवन करने से लीवर को आपके शरीर में पेय पदार्थों में मौजूद इथेनॉल को हटाने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है जिसके कारण मेटाबॉलिक प्रभावित होता है। ज्यादा मात्रा में शराब पीने के कारण लीवर को ओवरटाइम करना पड़ता है जिसके कारण बाकी अंगों पर असर होता है डिटॉक्सीफिकेशन स्लो होती है।

डाइट का रखें ध्यान

बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए डाइट का ध्यान रखना जरुरी है। डाइट में ऐसे फूड्स को शामिल करें जो एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर हों जैसे फलियां, जामुन, ब्रोकली और खट्टे फल का सेवन कर सकते हैं। यह शरीर की कोशिकाओं को तनाव से बचाते हैं। इसके अलावा सब्जियां, मेवे, साबुत अनाज, फल और मसालों को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

पूरी नींद लें

नींद आपके शरीर को नैचुरली तरीके से डिटॉक्सीफाई करने में मदद करती है। जब आपकी नींद पूरी नहीं होती तो शरीर सामान्य से कम क्षमता के साथ काम करता है। शरीर पूरे दिन काम करता है ऐसे में इसे स्वस्थ रखने के लिए इसे अच्छी तरह से कामकाज और अच्छी नींद की जरुरत है।

शरीर को हेल्दी रखने के लिए बहुत जरूरी है कि उन्हें सारे पोषक तत्व मिलें, वरना बीमारी अपनी चपेट में ले सकती है। कैल्शियम खासकर के तो बहुत जरूरी है। इससे हड्डियों और दांत मजबूत रहते हैं। वहीं बल्ड सर्कुलेशन, मसल्स बनाने और दिमाग के बेहतर दंग से काम करने के लिए कैल्शियम की सख्त जरूरत होती है। कई लोग शरीर में कैल्शियम की कमी की पूरा करने के लिए दवाओं का सहारा लेते हैं, पर उसकी जरूरत नहीं पड़ेगी अगर आप बस अपने डाइट में ये फूड्स शामिल कर लें।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियां पोषक तत्वों का खजाना होती हैं। इसमें कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए आप अपने डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, ब्रोकली, बीन्स शामिल कर सकते हैं।

चना

एक्सपर्ट्स की मानें तो 100 ग्राम चने में लगभग 150 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। चना शाकाहारी प्रोटीन का सबसे अच्छा स्रोत है। इसमें आयरन, कॉपर, फोलेट और फॉस्फोरस से भरपूर होता है। आप अपनी डाइट में चने को कई तरीकों से शामिल कर सकते हैं। इसका इस्तेमाल करके आप बहुत ही टेस्टी डिशेज भी खा सकते हैं।

भिंडी

इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर, मैग्नीशियम, फोलेट और विटामिन–बी 6 जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। कैल्शियम की कमी को भी पूरा करने के लिए आप भिंडी को अपने डाइट में शामिल करें। एक्सपर्ट्स की मानें तो 100 ग्राम भिंडी में 86 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।

सोयाबीन

सोयाबीन को शाकाहारी के लिए प्रोटीन के अलावा कैल्शियन का बेस्ट ऑप्शन माना जाता है। इसमें कैल्शियम के अलावा आयरन भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है जो बॉडी के लिए बहुत जरूरी होता है।

बादाम

बादाम दिमाग तो तेज करता ही है साथ में शरीर में कैल्शियम की कमी को भी पूरा करता है। इसके अलावा ये ओमेगा– 3 फैटी एसिड, आयरन, फाइबर और विटामिन–के से भरपूर होता है। रात में बादाम को पानी में भिगो दें, अगले दिन सुबह इनका छिलका उतारकर खा सकते हैं।

श्रीलंका की दखल के बाद सरकार से फिर बात करेगा पीसीबी, भारत से खेलने पर होगा सलाह–मशवरा

कराची,एजेंसी। टी20 विश्वकप 2026 का आगाज हो चुका है। हालांकि, क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप के सबसे बड़े टूर्नामेंट से पहले चर्चा खिलाड़ियों या खेल की नहीं बल्कि मैदान से बाहर की गतिविधियों की ही रही है और शायद राजनीति का इतना असर किसी विश्व कप पर पहले देखने में आया हो। भारत में सुरक्षा कारणों का हवाला देकर खेलने से इनकार पर बांग्लादेश टूर्नामेंट से बाहर हो गया। वहीं अपने पड़ोसी के समर्थन में पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच खेलने से इनकार कर दिया।

इसको लेकर खूब बवाल हुआ, लेकिन अब इस पर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड एक बार फिर इस मैच को लेकर अपनी सरकार से सलाह लेने की तैयारी में है। दरअसल, श्रीलंका क्रिकेट ने ईमेल भेजकर अनुरोध किया था कि पाकिस्तान अपने फैसले पर पुनर्विचार करे, क्योंकि इस मैच के रद्द रहने से टूर्नामेंट की छवि और कमाई, दोनों पर असर पड़ेगा। पाकिस्तान सरकार ने टीम को टी20 वर्ल्ड कप खेलने की मंजूरी तो दी है, लेकिन भारत के खिलाफ मैच खेलने से रोक रखा है। जबकि यही मुकाबला आईसीसी और ब्रॉडकास्टर्स के लिए सबसे बड़ा आकर्षण माना जाता है। ऐसे में मेजबानों के लिए यह आर्थिक रूप से बेहद अहम है।

न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से लिखा कि श्रीलंका बोर्ड के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने खुद पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी से बात की है। एक सूत्र ने कहा, पाकिस्तान के श्रीलंका के साथ सरकार से सरकार और क्रिकेट स्तर पर हमेशा बेहद करीबी और दोस्ताना रिश्ते रहे हैं। इसलिए उनके बोर्ड की मेल को यूं ही नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सूत्र ने यह भी बताया, श्मोहसिन नकवी से श्रीलंका बोर्ड के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने सीधे संपर्क किया है और याद दिलाया है कि इस समय श्रीलंका को पाकिस्तान के साथ की जरूरत है, क्योंकि भारत–पाक मैच नहीं होने पर टिकट बिक्री, हॉस्पिटैलिटी और अन्य आय में बड़ा नुकसान होगा। सूत्र ने बताया, नकवी ने अपने समकक्ष को भरोसा दिया है कि वह सरकार से सलाह कर उन्हें जवाब देंगे। बताया जा रहा है कि मोहसिन नकवी ने अपने श्रीलंकाई समकक्ष को आश्वस्त किया है कि वह इस मसले पर सरकार से बात करेंगे। सूत्र के मुताबिक, मोहसिन नकवी देश में भी नहीं थे और आज लौट रहे हैं। वह इस ईमेल को प्रधानमंत्री के संज्ञान में लाएंगे, जिसके बाद सोमवार तक इस मामले पर फैसला हो सकता

है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि पाकिस्तान द्वारा श्रीलंका के अनुरोध को ठुकराने की खबरें सही नहीं हैं। सूत्रों ने यह भी याद दिलाया, श्पिछले नवंबर में जब सुरक्षा चिंताओं के कारण कुछ खिलाड़ी पाकिस्तान दौरे से लौटना चाहते थे, तब श्रीलंका सरकार ने न सिर्फ बोर्ड बल्कि खिलाड़ियों को भी व्हाइट बॉल सीरीज पूरी करने का निर्देश दिया था। ऐसे में अब श्रीलंका को उम्मीद है कि पाकिस्तान भी उनके हित को समझेगा।

जेमिमा को मिल सकता है प्रमोशन, हरमनप्रीत-मंधाना और दीप्ति के साथ ग्रेड-ए में एंट्री?

मुंबई,एजेंसी। पुरुषों के बाद अब महिला क्रिकेटरों के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को लेकर चर्चा जोरों पर है। बीसीसीआई इसका जल्दा एलान कर सकता है। उससे पहले खबर है कि जेमिमा रॉड्रिग्स को प्रमोशन मिल सकता है। उन्हें टीम इंडिया की कुछ दिग्गज खिलाड़ियों के साथ सबसे उच्चस्तरीय ग्रुप यानी ग्रुप–ए में रखा जा सकता है। भारतीय महिला क्रिकेट में जेमिमा रॉड्रिग्स की लगातार शानदार फॉर्म का असर कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें ग्रेड बी से प्रमोट कर ग्रेड ए में शामिल किया जाएगा। इस टॉप कैटेगरी में कप्तान हरमनप्रीत कौर, स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा पहले से बरकरार हैं।

ग्रेड ए में आने वाले खिलाड़ियों को सालाना 50 लाख रुपये मिलते हैं। वहीं ग्रेड बी के खिलाड़ियों को 30 लाख और ग्रेड सी में शामिल खिलाड़ियों को 10 लाख रुपये दिए जाते हैं।

चूरमा खिलाकर करेंगे स्वागत, भारत की अंडर-19 विश्व कप जीत पर बोलीं कनिष्क चौहान की मां

झज्जर,एजेंसी। अंडर–19 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत की अंडर–19 क्रिकेट टीम ने शुक्रवार को इंग्लैंड को 100 रनों से हराकर विश्व कप अपने नाम किया। इस मैच में कनिष्क चौहान के ऑलराउंड प्रदर्शन से उनके परिवार और गांव में जश्न का माहौल है। कनिष्क की मां सरिता चौहान ने कहा कि हमने कनिष्क के आने की पूरी तैयारी कर ली है। उसका स्वागत नौ फरवरी को किया जाएगा। एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। कनिष्क को हम चूरमा खिलाकर उसका गर्मजोशी से स्वागत करेंगे। उन्होंने अभिभावकों के नाम एक संदेश देते हुए कहा कि बच्चों के अंदर प्रतिभा होती है, बस उसे सही समय पर जानने की जरूरत है। बच्चों को सपोर्ट करना जरूरी है। अगर सपोर्ट करेंगे तो जाहिर सी बात है कि बच्चे हमें उसका परिणाम भी देंगे। कनिष्क के पिता प्रदीप चौहान ने कहा कि उसने बहुत शानदार परफॉर्मेंस दी। हमें इस लेवल की परफॉर्मेंस की उम्मीद नहीं थी, लेकिन उसने बहुत अच्छा खेल दिखाया है, सच में बहुत बढ़िया परफॉर्मेंस दी।

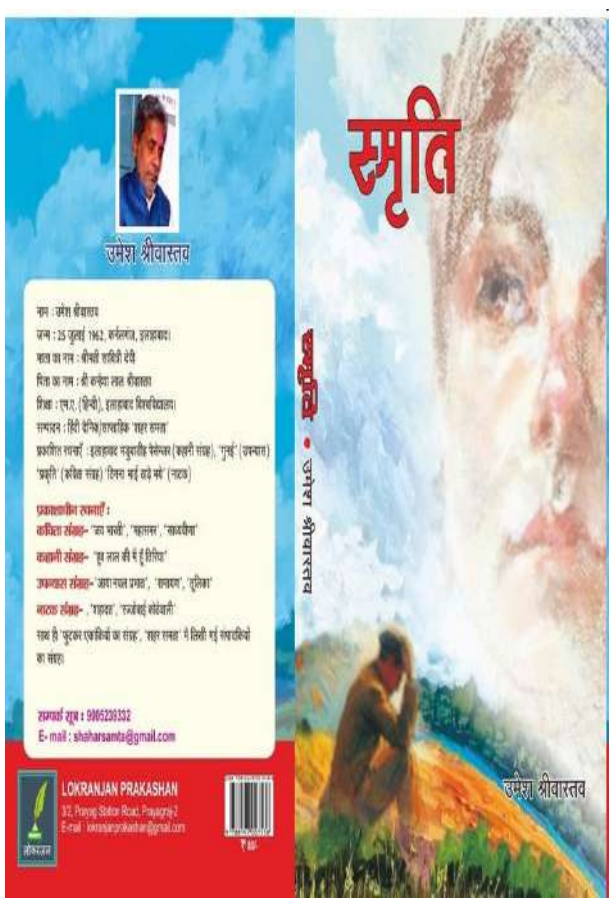

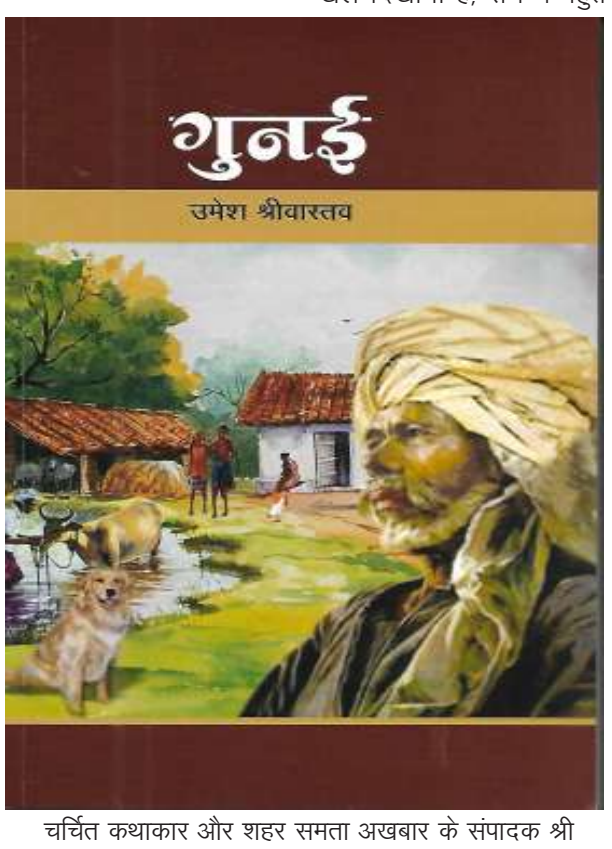

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

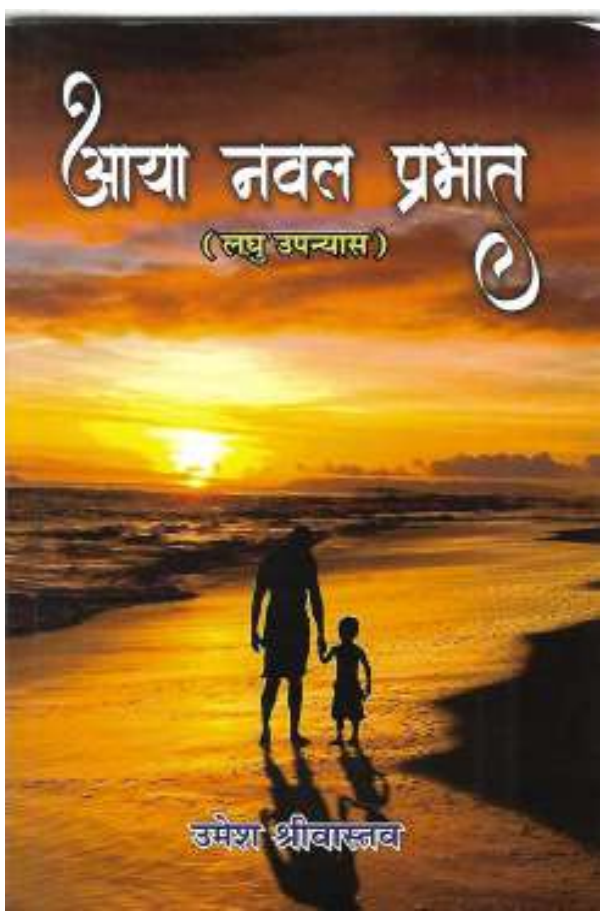

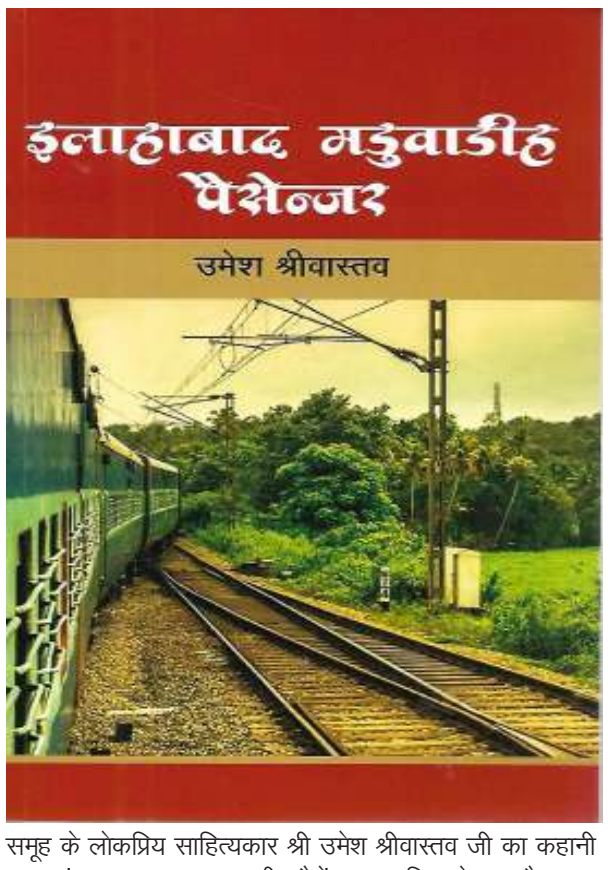

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

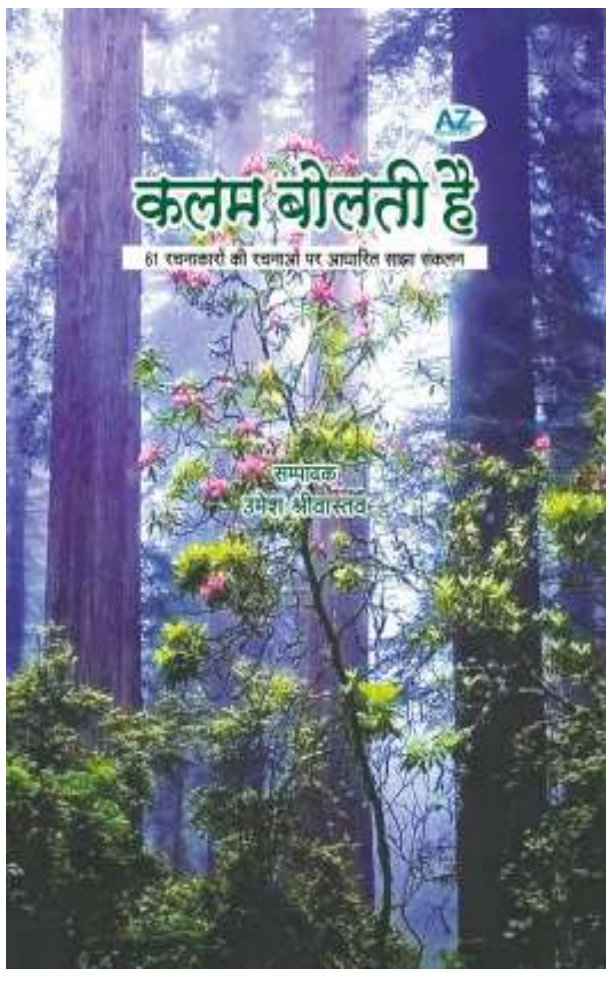

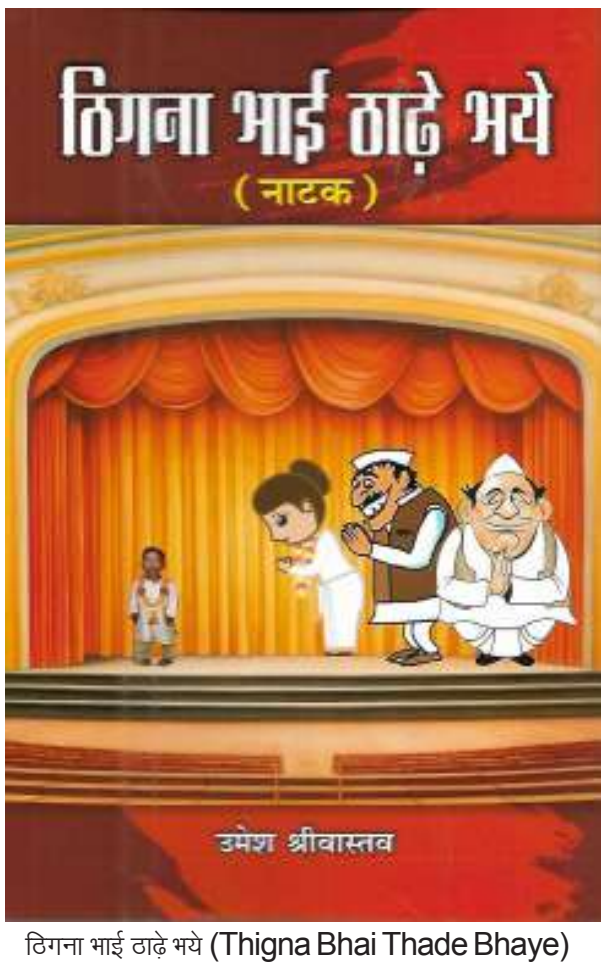

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

बढ़त के साथ बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार, सेंसेक्स 266 अंक चढ़ा, निफ्टी 25600 के पार

नई दिल्ली,एजेंसी। आरबीआई की एमपीसी फैसलों के एलान के बाद भारतीय बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। आरबीआई ने उम्मीद के मुताबिक बेंचमार्क ब्याज दर को अपरिवर्तित रखा। साथ ही रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए वित्तपोषण का दायरा बढ़ाने के प्रस्ताव से निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ। केंद्रीय बैंक ने रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स को बैंकों से कर्ज देने की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा है, हालांकि इसके लिए कुछ प्रूडेंशियल सेफगार्ड्स लागू होंगे। इस कदम का उद्देश्य रियल एस्टेट सेक्टर के लिए फंडिंग पूल को गहरा करना और दीर्घकालिक निवेश को प्रोत्साहन देना है। नीति निर्णय अनुमान के अनुरूप रहने से बाजार में अनिश्चितता घटी, जबकि आरईआईटी को कर्ज सुविधा से संबंधित घोषणा ने रियल एस्टेट और बैंकिंग शेयरों में खरीदारी को समर्थन दिया। अंतिम समय में हुई खरीदारी की बदौलत, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 266.47 अंक या 0.32 प्रतिशत बढ़कर 83,580.40 पर बंद हुआ। दिन के निचले स्तर 82,925.35 से यह सूचकांक कारोबार के अंत तक 655.05 अंक चढ़ गया। अस्थिर सत्र में 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50.90 अंक या 0.20 प्रतिशत चढ़कर 25,693.70 पर बंद हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को उम्मीद के मुताबिक अपनी बेंचमार्क ब्याज दर को अपरिवर्तित रखा, क्योंकि मुद्रास्फीति नियंत्रण योग्य स्तर पर बनी रही और बजट में सरकारी खर्च में वृद्धि और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के बाद टैरिफ दबाव में कमी के कारण विकास संबंधी चिंताएं कम हो गईं। केंद्रीय बैंक की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से पुनर्खरीद या रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर बनाए रखने का निर्णय लिया। आरबीआई ने अपनी तटस्थ नीतिगत स्थिति बरकरार रखी, जिससे संकेत मिलता है कि फिलहाल यह यथास्थिति बनाए रखेगी। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में से आईटीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा 5.09 प्रतिशत की उछाल आई। कोटक महिंद्रा बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड और बजाज फिनसर्व अन्य प्रमुख लाभ पाने वालों में शामिल थे। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, अदानी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स, इटरनल और एचसीएल टेक प्रमुख पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, शंघाई का एसएसई कंपोजिट इंडेक्स और हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि जापान का निक्केई 225 इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजारों में अधिकतर तेजी देखी गई। गुरुवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। नैस्डैक कंपोजिट इंडेक्स में 1.59 प्रतिशत, एसएंडपी 500 में 1.23 प्रतिशत और डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

आठ कंपनियों को सेबी से आईपीओ लाने की मंजूरी, भारत-ईयू एफटीए से वाहन कलपुर्जा कंपनियों को लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। सेबी ने इनक्रेड होल्डिंग्स और एलीवेट कैंपसेस सहित आठ कंपनियों को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये सामूहिक रूप से करीब 10,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए मंजूरी दे दी है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी पाने वाली अन्य कंपनियों में लेजर पावर एंड इन्फ्रा, सेडेमैक मेक्ट्रोनिक्स, आरडी इंडस्ट्रीज, आर्मी इन्फोटेक, आरवी इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स और शंकेश ज्वेलर्स शामिल हैं। निवेश एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव अरुणीश चावला ने शुक्रवार को कहा, सरकार को आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश के लिए वित्तीय बोलियां मिली हैं। निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप उनका मूल्यांकन होगा।घ्आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया तीन वर्षों लटकी है। सरकार ने अक्तूबर, 2022 में एलआईसी संग मिलकर आईडीबीआई बैंक में कुल 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बेची थी। टाटा स्टील का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत मुनाफा कई गुना होकर 2,730.37 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, इस दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 57,503.49 करोड़ रुपये पहुंच गई।घ्एक साल पहले की समान अवधि में यह 53,869.33 करोड़ थी। टाटा स्टील देश की शीर्ष वैश्विक इस्पात कंपनियों में शामिल है, जिसकी वार्षिक कच्चा इस्पात उत्पादन क्षमता 3.5 करोड़ टन है। भारत–यूरोपीय संघ (ईयू) एफटीए से दोनों पक्षों के बीच प्रतिस्पर्धी गतिशीलता और बाजार पहुंच के फिर से परिभाषित होने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा, एफटीए से भारतीय वाहन और कलपुर्जा निर्यात के लिए यूरोपीय बाजारों तक बेहतर पहुंच मिलेगी।घ्इससे इस क्षेत्र की दीर्घकालिक वृद्धि संभावनाओं को मदद मिलेगी। एफटीए से प्रीमियम वाहनों के आयात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। साइबर हमले की घटना के कारण उत्पादन में आई रुकावट से प्रभावित जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) को चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 31 करोड़ पाउंड का घाटा हुआ। कंपनी ने कहा, साइबर घटना के कारण हमने उत्पादन बंद कर दिया।पुरानी जगुआर कारों को बंद करने की योजना और अमेरिकी टैरिफ से भी प्रदर्शन प्रभावित हुआ।

अमेरिकी किसानों-उत्पादकों के लिए बाजार पहुंच का विस्तार होगा, समझौते पर और क्या बोला यूएसटीआर

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते की अंतिम रूपरेखा पर मुहर लग चुकी है। जिसे लेकर दोनों देशों की ओर से संयुक्त बयान जारी किया गया। अब इस कड़ी में संयुक्त राज्य व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) का बयान सामने आया है। जिसमें कहा गया कि भारत–अमेरिका व्यापार समझौते से अमेरिकी किसानों और उत्पादकों का नए बाजार में पहुंच का विस्तार होगा। बयान में कहा गया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ व्यापार समझौते के तहत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक में अमेरिकी किसानों और उत्पादकों की पहुंच का विस्तार कर रहे हैं। अमेरिकी विदेश व्यापार नीतियों को विकसित करने और बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार एजेंसी ने आगे कहा कि भारत ने सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर टैरिफ को समाप्त करने या कम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। यूएसटीआर ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, श्मेवों और सूखे आसवन अनाज (डीडीजी) से लेकर लाल ज्वार और ताजे और प्रसंस्कृत (प्रोसेस्ड) फलों तक, व्यापार समझौता अमेरिकी उत्पादों के लिए नए बाजार तक पहुंच प्रदान करेगा। एक अन्य पोस्ट में कहा , राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी किसानों और उत्पादकों की दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक तक पहुंच का विस्तार कर रहे हैं, जिसके तहत भारत ने सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर टैरिफ को समाप्त करने या कम करने, व्यापार में लंबे समय से चली आ रही गैर–टैरिफ बाधाओं को दूर करने, अधिक अमेरिकी सामान और सेवाएं खरीदने और 500 बिलियन डॉलर से अधिक के अमेरिकी उत्पादों की खरीद करने की प्रतिबद्धता जताई है।

इस समझौते की सराहना करते हुए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि राजदूत जैमीसन ग्रीर ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समझौते करने के प्रयासों से अमेरिकी श्रमिकों और उत्पादकों के लिए दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक के द्वार खुल रहे हैं। ग्रीर ने एक बयान में कहा, आज की घोषणा संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच गहरे होते संबंधों को दर्शाती है, क्योंकि हम दोनों देशों के किसानों और उद्यमियों के लिए नए अवसर पैदा कर रहे हैं। व्हाइट हाउस ने भारत–अमेरिका संयुक्त बयान में कहा कि दोनों पक्ष आपसी और पारस्परिक रूप से फायदेमंद व्यापार पर एक अंतरिम समझौते के लिए एक रूपरेखा पर सहमत हो गए हैं।ग्रीर ने कहा कि ट्रंप के सौदेबाजी से सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं और कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए टैरिफ कम हो रहे हैं, जबकि भारत के 1.4 अरब से अधिक लोगों के बाजार को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोलने के लिए टैरिफ और गैर–टैरिफ बाधाओं को हटाया जा रहा है। उन्होंने अमेरिका के साथ निष्पक्ष और संतुलित व्यापार हासिल करने की दिशा में नेतृत्व और प्रतिबद्धता के लिए केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को धन्यवाद दिया।

संक्षिप्त

हमलों के बीच जेलेंस्की ने मानी ये बात, बोले- प्रदर्शन संतोषजनक नहीं

कीव,एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच लगभग चार साल से जारी युद्ध अब और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। रूस के लगातार ड्रोन और मिसाइल हमलों से यूक्रेन की बिजली व्यवस्था चरमरा गई है, ठंड में लोग बिना हीटिंग के रहने को मजबूर हैं। हवाई रक्षा पर सवाल उठ रहे हैं और शांति वार्ता भी बेनतीजा दिख रही है। इसी बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने खुद अपने देश के वायु रक्षा प्रणाली के प्रदर्शन को कमजोर माना है। शुक्रवार उन्होंने कहा कि देश के कुछ हिस्सों में वायुसेना का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है। उन्होंने माना कि रूस के बड़े पैमाने पर ड्रोन हमलों को रोकने में दिक्कतें आ रही हैं। जेलेंस्की ने कहा कि इन हमलों से निपटने के लिए नई रक्षा रणनीतियों पर काम किया जा रहा है। बता दें कि रूस पिछले कुछ महीनों से लगातार यूक्रेन के बिजली ढांचे को निशाना बना रहा है। इन हमलों की वजह से कई इलाकों में बिजली गुल, हीटिंग बंद और पानी की सप्लाई प्रभावित हुई है। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब यूक्रेन कड़ाके की ठंड झेल रहा है। बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष अब पांचवें साल में प्रवेश करने वाला है। अमेरिका की कोशिशों के बावजूद अभी तक शांति की दिशा में कोई ठोस सफलता नहीं मिली है। हालांकि इन सब के बीच जेलेंस्की ने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच आगे और बातचीत जल्द होगी, संभव है कि ये बैठकें अमेरिका में हों। वहीं यूक्रेनी वायुसेना के मुताबिक, रूस ने एक ही रात में 328 ड्रोन और 7 मिसाइलें दागीं। दावा किया गया कि इनमें से 297 ड्रोन मार गिराए गए। हालांकि, फिर भी नुकसान हुआ। मध्य यूक्रेन के निप्रोपेत्रोवस्क क्षेत्र में एक व्यक्ति की मौत हुई और दो लोग घायल हुए। जापोरिज्जिया क्षेत्र में हुए हमले में 8 लोग घायल हुए और 18 अपार्टमेंट इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। इसी हमले में एक कुत्तों का आश्रय गृह भी चपेट में आ गया, जिसमें 13 कुत्तों की मौत हो गई। 7 अन्य जानवर घायल हैं और उनका इलाज चल रहा है। राजधानी कीव में हालात बेहद मुश्किल हैं। जेलेंस्की के अनुसार, 1,200 से ज्यादा रिहायशी इमारतों में कई दिनों से हीटिंग नहीं है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन का बिजली नेटवर्क इस सर्दी में अब तक के सबसे बड़े संकट से गुजर रहा है। 81 साल के कीव निवासी मिकोलो ट्रोम्जा ने बताया कि वे एक हफ्ते तक बिना गर्मी और पानी के रहे। उन्होंने कहा कि जब मैंने अपनी नाक छुई तो वो बर्फ जैसी ठंडी थी। खुद को गर्म रखने के लिए मैं घर में लगातार चलता रहा।

बीएनपी के घोषणापत्र में हिंदुओं के कल्याण के लिए बड़ा वादा, मतपत्रों से हसीना का चुनाव चिह्न गायब

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले चुनाव से छह दिन पहले बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने अपना घोषणापत्र जारी किया। इसमें सामूहिक प्रगति के लिए पड़ोसियों के साथ बेहतर संबंध बनाने, सीमापार होने वाली हत्याओं और घुसपैठ को रोकने के उपायों की घोषणा की गई है। ये वादे भारत के संदर्भ में माने जा रहे हैं। बीएनपी प्रमुख तारिक रहमान की ओर से जारी 51–सूत्री घोषणापत्र में हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए फंडिंग बढ़ाने का भी वादा किया गया है। रहमान ने एक होटल में कहा कि हम अपने देश के हित, स्वतंत्रता और संप्रभुता को बनाए रखते हुए अन्य देशों के साथ संबंध बनाएंगे। हम अपने पड़ोसियों के साथ समानता, सहयोग और दोस्ती के संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उस रिश्ते की नींव आपसी सम्मान और समझ पर आधारित होगी, जो सामूहिक प्रगति सुनिश्चित करेगी। एजेंसी नदियों से पानी का लेना सुनिश्चित करने का वादा घोषणापत्र के अनुसार, बीएनपी राज्य शासन के मूल दर्शन के रूप में बांग्लादेश प्रथम को अपनाएगी। रहमान (60) को पिछले महीने अपनी मां, बीएनपी अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन के बाद पार्टी प्रमुख चुना गया था। यह पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग की अनुपस्थिति में बांग्लादेश के बदले हुए परिदृश्य में सबसे आगे नजर आ रही है। भारत का नाम लिए बिना घोषणापत्र में कहा गया कि पद्मा (गंगा), तीस्ता और बांग्लादेश की सभी सीमा पार नदियों से पानी का उचित हिस्सा सुनिश्चित किया जाएगा। वहीं, दशकों में पहली बार, बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के गृह नगर गोपालगंज में चुनावों के दौरान दिखने वाला प्रतीक उनकी अवामी लीग पार्टी का नाव चिन्ह इस बार मतपत्रों से गायब रहेगा। इसके स्थान पर, बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी), जमात–ए–इस्लामी पार्टी और निर्दलीय उम्मीदवारों जैसे प्रतिद्वंद्वियों के चुनाव चिन्ह शामिल रहेंगे। इन्हीं पार्टियों के पोस्टर सड़कों पर दिखाई दे रहे हैं। बैनर–पोस्टरों से भी हसीना व उनकी पार्टी गायब होने से वोटरों में हताशा है। देशभर में जोर–शोर से जारी चुनाव प्रचार में मतदाताओं से 12 फरवरी के मतदान में तीनों दलों का समर्थन करने का आग्रह किया गया है। गोपालगंज जिला लंबे समय से अवामी लीग का सबसे सुरक्षित गढ़ माना जाता रहा है। यहीं से बांग्लादेश की सबसे लंबे समय तक पीएम रहीं हसीना और उनके पिता, बांग्लादेश के संस्थापक नेता शेख मुजीबुर रहमान का जन्म हुआ था। हसीना ने 2024 तक लगातार 15 वर्षों से अधिक समय तक शासन किया। इस दौरान विपक्ष ने चुनाव का बहिष्कार भी किया। इस माह छपे मतदाताओं के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि लगभग आधे पूर्व अवामी लीग मतदाता अब बीएनपी को पसंद करते हैं।

कोई गलती नहीं की, ट्रंप का ओबामा-मिशेल की नस्लवादी वीडियो पर माफी मांगने से इनकार, हटाया पोस्ट

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर ऐसी पोस्ट या वीडियो साझा करते हैं, जिससे विवाद खड़ा हो जाता है। अब ट्रंप के एक वीडियो शेयर किया, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी मिशेल ओबामा को वनमानुष के रूप में दिखाया गया। विवाद बढ़ने के बाद इस वीडियो को डिलीट कर दिया गया है। डोनाल्ड ट्रंप के वीडियो को नस्लवादी और अपमानजनक बताया गया है। जिसे रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों के विरोध के बाद डिलीट कर दिया गया। इस बीच अब ट्रंप ने शुक्रवार को अपनी इस पोस्ट के लिए माफी मांगने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए साफ कहा कि मैंने कोई गलती नहीं की। गुरुवार रात को किए गए पोस्ट के लिए एक कर्मचारी को दोषी ठहराया गया। इधर, व्हाइट हाउस ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए शुक्रवार को वीडियो डिलीट किया। यह घटना प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट की ओर से पोस्ट पर श्झूठे आक्रोशश को खारिज करने के कुछ घंटों बाद हुई। रिपब्लिकन समेत कई लोगों द्वारा वीडियो हटाने की मांग के बाद व्हाइट हाउस ने कहा कि एक कर्मचारी ने गलती से वीडियो पोस्ट कर दिया था। शुक्रवार रात एयर फोर्स वन में अपने साथ मौजूद पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि वीडियो फर्जी चुनावों के बारे में था और उन्हें जो कुछ भी देखने को मिला वह उन्हें पसंद आया। उन्होंने कहा, मुझे शुरुआत पसंद आई। मैंने इसे देखा और आगे भेज दिया, और मुझे लगता है कि शायद किसी ने भी इसका अंत नहीं देखा होगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह वीडियो में मौजूद नस्लवाद की निंदा करते हैं, तो ट्रंप ने कहा, बिल्कुल करता हूं। यह वीडियो 62 सेकंड का है। मीम बनाने वाले एक प्रभावशाली दक्षिणपंथी समर्थक के वीडियो से इसके फ्रेम लिए गए हैं। वीडियो में दावा किया गया कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में वोटिंग मशीनों के साथ छेड़छाड़ हुई। वीडियो के 60 सेकंड पर दो बनमानुष दिखाए गए हैं। ओबामा का मुस्कुराता चेहरा उनके ऊपर रखा गया है। ये फ्रेम पहले से एक लंबे वीडियो से लिए गए थे। वीडियो में ट्रंप को श्जंगल का राजाश दिखाया गया है। वहीं डेमोक्रेट नेताओं को जानवरों के रूप में दिखाया गया है। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन को भी वनमानुष के रूप में दिखाया गया है, जो केला खा रहे हैं। हालांकि अब यह वीडियो ट्रंप के ट्रूथ सोशल की टाइमलाइन पर नहीं है।

अमेरिका ने ट्रेड डील के बाद कश्मीर पर भी दिया साफ संदेश, पूरा पीओके भारत के नक्शे में दिखाया

वॉशिंगटन,एजेंसी। जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। लेकिन पाकिस्तान इस आसान से तथ्य पर चाहे जितनी बहस करे या कितना ही प्रोपेगेंडा चलाए, लेकिन सच्चाई पूरी दुनिया को पता है। अब इस कड़ी में अमेरिका ने पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया है। व्यापार समझौते के बाद कहीं ना कहीं अमेरिका ने पाकिस्तान को कश्मीर के मुद्दे पर भी साफ संदेश दे दिया है।अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने भारत का एक नक्शा जारी किया है, जिसमें जम्मू और कश्मीर को स्पष्ट रूप से भारत का हिस्सा दिखाया गया है। दरअसल, ट्रेड डील पर रूपरेखा तय होने के बाद अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) ने भारत का नक्शा जारी किया, जिसमें भारतीय क्षेत्र को स्पष्ट रूप से सीमांकित किया गया है। इस नक्शे में उत्तरी केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर को भारत के हिस्से के रूप में दिखाया गया है, जिसमें पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जा किया गया हिस्सा यानी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) भी शामिल है। इस पोस्ट के जरिए बताया गया कि अमेरिकी उत्पादों की अब नए बाजार तक पहुंच बनेगी। भारत का नक्शा अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय द्वारा साझा किए गए एक ग्राफिक का हिस्सा था। जिसमें अमेरिका से आयात किए जाने वाले खाद्य पदार्थों में अमेरिकी मेवे, लाल ज्वार, ताजे और प्रसंस्कृत फल, सूखे अनाज (सूखे आसवन अनाज) और अमेरिकी शराब और स्पिरिट शामिल हैं। अब यह पोस्ट पाकिस्तान के प्रोपेगैंडा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। जो कि बार–बार कश्मीर राग अलापने पर करार जवाब है। क्योंकि आमतौर पर इसमें साफ तौर पर बॉर्डर दिखाया जाता है। ऐसे में इस नक्शे के लिए वॉशिंगटन का रुख स्पष्ट है, जिसमें कोई बनावटी बात नहीं बल्कि ठोस तथ्य हैं। अमेरिका ने संकेत दिया है कि अमेरिकी नेतृत्व भारत के राजनीतिक मानचित्र से सहमत है, जो कि वास्तविकता का समर्थन करता है और निराधार क्षेत्रीय दावों के समर्थन में नहीं है।

परमाणु कार्यक्रम पर समझौता नहीं तो गंभीर होंगे परिणाम, ओमान वार्ता के बाद ट्रंप की खुली धमकी

वॉशिंगटन,एजेंसी। ओमान की राजधानी मस्कट में अमेरिका–ईरान परमाणु समझौते पर पहले दौर की बातचीत बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई। हालांकि दोनों ही देशों ने इस वार्ता को सकारात्मक बताया। अब अगले हफ्ते फिर से वार्ता की जाएगी। इस बीच अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त लहजे में चेतावनी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस वार्ता को बहुत अच्छा बताया है और अगले सप्ताह की शुरुआत में और बातचीत की योजना के बारे में कहा। साथ ही दबाव भी बढ़ाया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान परमाणु कार्यक्रम पर समझौता नहीं करता है, तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। दरअसल, ट्रंप प्रशासन का मुख्य उद्देश्य ईरान को जीरो न्यूक्लियर कैपेबिलिटी यानी शून्य परमाणु क्षमता की ओर ले जाना है। ईरान सिर्फ अपने परमाणु कार्यक्रम पर बात करना चाहता है, जबकि अमेरिका उसकी बैलिस्टिक मिसाइलों और क्षेत्रीय गतिविधियों को भी समझौते में शामिल करना चाहता है। ट्रंप ने ईरान को इस कार्यक्रम पर समझौता करने के लिए मजबूर करने के लिए सैन्य कार्रवाईकरने की बार–बार धमकी दी है, इससे पहले उन्होंने तेहरान को देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर की गई खूनी कार्रवाई के जवाब में इस विमानवाहक पोत को क्षेत्र में भेजा था, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे और इस्लामिक गणराज्य में हजारों अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया था। ओमान में हुई बातचीत पर जब कोई ठोक नतीजा सामने नहीं आया तो नाराज राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर नए प्रतिबंध लगाए। अमेरिका ने ईरान के तेल और पेट्रोकेमिकल निर्यात से जुड़े नेटवर्क पर नई सख्त कार्रवाई की है। नए आदेश के तहत कई कंपनियों, जहाजों और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। अमेरिका के मुताबिक ईरान से जुड़े तेल कारोबार के जरिए नियमों को दरकिनार किया जा रहा था। बता दें कि ओमान हमेशा की तरह दोनों देशों के बीच पुल का काम कर रहा है। वार्ता में राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जारेड कुशनर ने किया। दोनों पक्षों के राजनयिक अब अपने–अपने देशों में मशविरा करेंगे। अगली बैठक अगले सप्ताह की शुरुआत में होने की संभावना है। वार्ता के बाद अमेरिका ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। इधर, बैठक को लेकर ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि यह एक अच्छी शुरुआत है। हमारे हमने अपने दृष्टिकोण एक–दूसरे तक पहुंचाए, जो बेहद जरूरी था। अराघची ने कहा, हमने अपनी चिंताओं, ईरानी लोगों के अधिकार और हित पर जानकारी साझा की। यह बैठक बहुत अच्छे माहौल में हुई और दूसरे पक्ष के विचारों को भी सुना गया। ईरान के विदेश मंत्री के मुताबिक, ओमान में बातचीत सकारात्मक रही।

अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल आयात पर लगा 25 फीसदी टैरिफ हटाया

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को रूस से तेल खरीद के लिए भारत पर लगा अतिरिक्ति 25 प्रतिशत टैरिफ हटाने का एलान कर दिया। यह कदम बीते दिनों ट्रंप द्वारा घोषित दोनों देशों के बीच के व्यापार समझौते को लागू करने के तहत उठाया गया है। ट्रंप द्वारा हस्ताक्षर किए गए एक कार्यकारी आदेश के मुताबिक भारत ने रूस से प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से तेल आयात रोकने का वादा किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए।

शवगृह मालिक को 40 साल की सजा, 200 लाशों के साथ किया था अमानवीय व्यवहार

कोलोराडो स्प्रिंग्स (अमेरिका),एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो में एक दिल दहला देने वाले मामले में अदालत ने फ्यूनरल होम (शवदाह गृह) के मालिक जॉन हॉलफोर्ड को 40 साल की जेल की सजा सुनाई है। हॉलफोर्ड पर करीब 200 शवों के साथ दुर्व्यवहार करने और परिवारों को धोखा देने का आरोप था। अदालत में पीड़ित परिवारों ने उसे श्राक्षसश और श्घिनौना इंसानश करार दिया। सजा सुनाने की सुनवाई के दौरान पीड़ित परिवार के सदस्यों ने न्यायाधीश एरिक बेंटली को बताया कि अपने प्रियजनों के साथ हुई घटना के बारे में जानने के बाद से उन्हें भयानक सपने आते रहे हैं। उन्होंने जज से आरोपी जॉन हॉलफोर्ड को अधिकतम 50 साल की सजा देने की अपील की। आरोपी हॉलफोर्ड ने सजा सुनाए जाने से पहले माफी मांगी और कहा कि उसे अपने काम पर जीवन भर पछतावा रहेगा। इस मामले में उसकी पूर्व पत्नी कैरी हॉलफोर्ड, जो रिटर्न टू नेचर फ्यूनरल होम की सह–मालिक थी, उसे 24 अप्रैल को सजा सुनाई जानी है। उसे 25 से 35 साल की जेल हो सकती है। इस जोड़े पर शवों के साथ दुर्व्यवहार करने, चोरी करने, धन की हेराफेरी करने और दस्तावेजों में हेराफेरी करने का आरोप है। दोनों ने अभियोजकों के साथ एक समझौते के तहत शवों के साथ दुर्व्यवहार के लगभग 200 मामलों में दिसंबर में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था।

जॉन हॉलफोर्ड और उसकी पत्नी कैरी हॉलफोर्ड रिटर्न टू नेचर नाम से फ्यूनरल होम चलाते थे। उन पर आरोप है कि उन्होंने189 शवों को एक इमारत में सड़ने के लिए छोड़ दिया।वहीं परिजनों को उनके प्रियजनों की अस्थियों के नाम पर सूखा कंक्रीट (सीमेंट) थमा दिया। यह सिलसिला 2019 से 2023 तक चलता रहा, जिसका खुलासा तब हुआ जब पड़ोसियों ने बदबू की शिकायत की। हॉलफोर्ड परिवार ने शवों को कोलोराडो स्प्रिंग्स के दक्षिण में स्थित पेनरोस नामक छोटे शहर की एक इमारत में छिपाकर रखा था। कई महीनों की मेहनत के बाद उंगलियों के निशान, डीएनए और अन्य तरीकों की मदद से शवों की पहचान की गई। जांच में सामने आया कि हॉलफोर्ड दंपति ने अंतिम संस्कार के नाम पर परिवारों से प्रति व्यक्ति 1200 डॉलर (करीब 1 लाख रुपये) वसूले। इस पैसे का इस्तेमाल शवों के अंतिम संस्कार के बजाय उन्होंने अपनी विलासिता के लिए किया। उन्होंने लक्जरी गाड़ियां खरीदीं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

प्रतापगढ़ ब्यूरो

शरद कुमार श्रीवास्तव

7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक

स्व.कन्हैया लाल

स्व.श्रीमती साधना

सम्पादक

उमेश चंद्र श्रीवास्तव

प्रबन्ध सम्पादक

अरविन्द पाण्डेय

संयुक्त सम्पादक

अनंत श्रीवास्तव

संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)

केशव श्रीवास्तव

विधि सलाहकार

कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।